चैत्र कृष्ण पक्ष तृतीया संवत् 2081 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 260 पेज 8, मूल्य 2 रुपए
डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
17 मार्च 2025 सोमवार

आज का मौसम
31 अधिकतम
22 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर
दोपहर मेट्रो

Page-7

कर्ज से लदे पाक की चीन के सामने घिग्घी व बलूचों के वजूद की लड़ाई

बीते एक हफ्ते में 304 पाक सैनिकों की मौत ने पाक ही नहीं चीन को हिला दिया है। चीन चाहता था उसके सैनिक भी पाक सैनिकों के साथ मिलकर सीपेक की सुरक्षा करें। पाक के लिए यह धर्मसंकट वाली बात है। सीपेक विवाद-पांच दिनों के भीतर सीपेक चीन और पाकिस्तान के

प्रसंगवश
राजेश सिरोठिया

महत्वाकांक्षी चीन-पाक इकामिक जोन प्रोजेक्ट के बलूचित्लावी लिबरल आर्मी नें बहुत बड़ा पलीता लगा रखा है। 12 मार्च के उन्होंने पाक आर्मी के लेकर उनके इलाके से गुजर रही ट्रेन जाफर ऐक्सप्रेस में पलीता लगाते हुए 294पाक सैनिकों को मौत केघाट उतार दिया। फिर कल यानि रविवार को उनकी आठ गाड़ियों को बम से उड़ाकर 90 सैनिक मार डाले सीपेक परियोजनाओं के लिए तैनात 40 हजार से ज्यादा सैनिकों की एक टुकड़ी पाक के कोर ग्रुप ने 19 नवंबर को चीनी दवाब के सामने घुटने टेकते हुए बलूच दहशतगर्दो को निपटाने के लिए भेजा था। दरअसल सीपेक परियोजना से जुड़े 29 चीनी मजदूरों की मौत से बौखलाया है। वह चाहता है कि पाकिस्तानी आर्मी के साथ चीनी सैनिक भी वहीं रहेंष लेकिन यह पाक के लिए नई मुसीबत की बात है।

बात करें बलूचिस्तान की तो एक स्वतंत्र देश है जिसे इरान ने आटोनामी दी थी पाकिस्तान के कुल क्षेत्रफल के 45 फीसदी बराबर होने के बावजूद मात्र डेढ़ करोड़ आबादी रहती है। लेनिक यह इलाका यूरेनियम से लेकर बेशकीमती खनिज भंडार और तेल के भंडारो के लिए जाना जाता है। इसी के चलते पाकिस्तान ने भारत से अलग होते ही इसे हथिया लिया। चूंकि यहां के खनिज और तेल भंडारों पर अमेरिका, चीन, पारिस्तान और ईरान की नजर रही है। उधर पाकिस्तान को अमेरिका और रूस ने अफगास्तिान का मसला निपटने बाद पाकिस्स्तानी कटौरे में भीख डलाना बंद किया तो पाकिस्तान ने चीन की ओर रुख किया। चीन को पाकिस्तान पर नरे गढ़ाए बैठा।

चीन ने पाकिस्तान को करोड़ों औरबों की मदद से नहला दिया। उसके बाद ही सीपेक का पांस फेंका। मरता क्या न करता।पाक को अपना ग्वादर पोर्ट भी देना पड़ा और शिनजियांग से पकिस्तान पख्तूनवा बलूचिस्तान होते हुए 2400 किमी लंबे सीपेक की मंजूरी दे दी।

दरअसल चीन को अभी इंडौनिशिया होते हुए मिडिल इस्ट के देशों से तेल लेने जाना पड़ता है? जो एक मंहगा सौदा है। सीपेक से वह पांचवे हिस्से की यात्रा के जरिए तेल आयात कर सकता था। इसलिए उसने 46 बिलयिन डालर की सीपेक परियोजना पर काम किए। सड़क बनने का काम तो जारी है लेकिन उसने ग्वादर में चीनी अफसरों के लिए शानदार होटल बनवाया । बंदरगाह को विकसित कराया ऐयरपोर्ट बनवाए। सोलर पावर के संयंत्र सिर्फ ग्वादर बल्कि बलूचिस्तान में भी बनवाए। बलूचिस्तान में तो थर्मल पावर प्लांट भी बनवा रहा है।

हालात बिगड़ने लगे तो चीन के सीपेक की लागत बढ़ी तो पाक कर्ज गर्त में उतरा

सच तो यह है कि चीन का 46 डॉलर के प्रोजेक्ट की लागत 2022 कर 63 बिलियन डॉलर तक जा पहुंची और अब यह65 पार जा पहुंची है। यह किनी और बढेगी इसका अंदाजा लगाना मुश्किल है। क्योंकि चीन ने ग्वादर के जरिए सस्ते के सपने ही नहीं साधें हैं, बल्कि यूरोप के छोटे और मझौले देशों174 देशों से चीनी सामान का करार भी किया है। उसका यह सपना टूटा तो पाकिस्तान का डूबना तय है। पाक को चीन अभ तक 26.26 बिलियन का कर्ज दो चुना है इसका कर्ज भी उसने कोई मामूली नहीं बिल्क 3.71 फीसदी की ब्याज दर पर है। जाहिर है कि पाकिस्तान का भविष्य सीपेक परियोजना और 11 बलूचीसंगठनों, पख्तूनी संगठनों के साथ तहरीके तालिबान पर निर्भर है। वैसे तो बातचीत के जरिए समाधान की बात सोची सकती है। लेकिन पाकिस्तानी जनरलों की पुतली बने रहने वाले पाकिस्तानी जनरल ऐसा कतई नहीं होने देंगे।

सीपेक पिछड़ा, चीन भी खून के आंसू रोएगा

मप्र विधानसभा का बजट सत्र : मऊगंज व इंदौर घटना पर कमलनाथ भी हुए मुखर

मंडला एनकाउंटर पर विपक्ष हमलावर हुआ, सदन में हंगामा और वॉकआउट

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मप्र विधानसभा का बजट सत्र अपने अंतिम दौर में पहुंच गया है। आज होली अवकाश के बाद कार्यवाही शुरू हुई है। विभिन्न घटनाओं को लेकर विपक्षी दल कांग्रेस के तेवर सख्त नजर आ रहे हैं। सदन में प्रश्नकाल के दौरान कांग्रेस विधायकों ने मंडला में नक्सली एनकाउंटर को फर्जी बताते हुए जांच की मांग की तथा दोषियों पर कार्रवाई की मांग को लेकर नारेबाजी के बाद उन्होंने सदन से वॉकआउट कर दिया। उधर मध्यप्रदेश विधानसभा के बजट सत्र के आज पांचवे दिन पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ भी विधानसभा पहुंचे हैं। उन्होंने मऊगंज में एएसआई की हत्या और इंदौर में वकील-पुलिस झड़प पर मीडिया से कहा- मध्यप्रदेश कानून अव्यवस्था की राजधानी बन चुका है। भ्रष्टाचार की राजधानी बन चुका है। अब पूरा देश मध्यप्रदेश की ओर देख रहा है। माना जा रहा है कि विपक्ष सत्र के अंतिम दौर में मऊगंज में पुलिस पर हमला, इंदौर पुलिस-वकील झड़प और परिवहन विभाग के पूर्व आरक्षक सौरभ शर्मा के मुद्दे पर सरकार को घेरने की तैयारी में है। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के नेतृत्व में कांग्रेस विधायकों का एक प्रतिनिधिमंडल लोकायुक्त से मुलाकात भी करने वाला है। कहा जा रहा है कि इसमें लोकायुक्त को परिवहन घोटाले से जुड़े सबूत सौंपकर जांच में तेजी लाने की मांग की जाएगी।

क्या है मामला

दरअसल कांग्रेस और जीजीपी ने दो दिन से इस मामले मे सरकार को घेरते हुए नजर आ रहे हैं कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने भी कल कहा था कि मंडला में नक्सली एनकाउंटर का दावा गलत है। पुलिस ने कान्हा क्षेत्र में जिस नक्सली को मारने का दावा किया है, उसकी पहचान खटिया नारंगी गांव के हीरन सिंह के तौर पर हुई है। मृतक के परिवार ने एनकाउंटर को फर्जी बताकर उसे निर्दोष बताया है।

बीसीसीएल में अनियमितता, जांच होगी

भोपाल के हुजूर से भाजपा विधायक रामेश्वर शर्मा ने बीसीसीएल की बसों का मामला उठाया है। शर्मा ने कहा कि भोपाल का विस्तार हो रहा है। ग्लोबल यूनिवर्सिटी भोपाल में आ रही हैं करीब 10-12 हजार मजदूर रोज भोपाल काम पर आते हैं। आसपास के जिलों में स्कूल-कॉलेज संचालित हो रहे हैं वहां बसें नहीं जातीं। भोजपुर में भी बसें नहीं जाती। पहले बसों के संचालन में जो अनियमितताएं हुई हैं, उनकी जांच के लिए समिति बनाई जाए। इस पर मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा- इसके लिए प्रमुख सचिव को जांच के लिए निर्देश दे दूंगा।

वक्फ बिल के खिलाफ जुटे विपक्ष के नेता

नई दिल्ली। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के बैनर तले वक्फ (संशोधन) विधेयक के खिलाफ आज जंतर मंतर पर जारी प्रोटेस्ट में अलग-अलग मुस्लिम संगठनों के प्रमुख और राजनीतिक दलों के सांसद और वरिष्ठ नेताओं का जमावडा है। जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद मदनी, कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद, इमरान मसूद और असदुद्दीन ओवैसी जैसे दिग्गज जंतर-मंतर पहुंचे हैं। सांसद इमरान मसूद ने कहा, मुल्क के हालात ऐसे बन गए हैं कि देश के अंदर कानून की धज्जियां उड़ाने की कोशिश की जा रही है। मैं इस लड़ाई में पार्टी नेता राहुल गांधी की ओर से हिस्सेदारी देने आया हूं। वहीं वक्फ जेपीसी अध्यक्ष और बीजेपी सांसद जगदंबिका पाल ने कहा, %जंतर-मंतर का यह प्रोटेस्ट, राजनीति से प्रेरित है और ऑर्गेनाइज्ड तरीके से किया जा रहा है। यह राजनीतिक टकराव के चलते हो रहा है। विपक्ष तुष्टिकरण की राजनीति कर रहा है। पाल ने कहा कि हमने 428 पेज की रिपोर्ट प्रस्तुत की है इसमें कोई ऐसी गुंजाइश नहीं है।

ओडिशा में भीषण गर्मी, मप्र में बारिश का यलो अलर्ट

नई दिल्ली/भोपाल, एजेंसी

मौसम विभाग ने आज ओडिसा में भीषण गर्मी का रेड अलर्ट जारी किया है। वहीं मप्र में 19 मार्च से आंधी-पानी का छोटा दौर आ सकता है। यह दौर मप्र के आधे हिस्से में 19 और 20 मार्च को रहोगा। भोपाल, जबलपुर, नर्मदापुरम, रीवा, चंबल, सागर और शहडोल संभाग में ज्यादा असर रहेगा। यहां 40 से 50 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से हवा चल सकती है। वहीं, इंदौर, उज्जैन और ग्वालियर संभाग में बूंदाबांदी हो सकती है। उधर ओडिशा में कल बौध जिला देश में सबसे गर्म रहा। जिले का अधिकतम तापमान 43.6 डिग्री दर्ज किया गया। ओडिशा के ही झारसुगुड़ा (42 डिग्री) और बलांगीर (41.7 डिग्री) दूसरे और तीसरे नंबर पर रहे। इसके अलावा सात जिलों का तापमान 40 डिग्री से ऊपर रहा। वहीं हिमाचल में बारिश का दौर है। यह दौर शुक्रवार तक जारी रहेगा। इधर मप्र में तापमान में दो से तीन डिग्री की गिरावट आई है और हवा अपेक्षाकृत थोडी ठंडी हुई है। भोपाल में बार बार बादल छा रहे हैं और बीती शाम कुछ स्थानों पर बेहद हल्की बूंदाबांदी हुई है।

होली के बाद शेयर बाजार की रंगत बढ़ी

मुंबई, एजेंसी

होली के बाद शेयर बाजार पर आज हरा रंग चढ़ा नजर आया है और सेंसेक्स-निफ्टी में जारी गिरावट पर ब्रेक लगा है। शुरुआती कारोबार में ही सेंसेक्स ने 500 अंकों से ज्यादा की छलांग लगा दी, तो नहीं दूसरी ओर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 175 अंक की तेजी लेकर कारोबार कर रहा है। इस बीच खास बात ये रही कि बुरी तरह टूटने के बाद इंडसइंड बैंक ने वापसी की है। शेयर मार्केट की शुरुआत ग्रीन जोन में हुई और सेंसेक्स पिछले बंद 73,828.91 की तुलना में उछलकर 73,830 के लेवल पर खुला और तूफानी तेजी के साथ भागकर 527 अंक से ज्यादा चढ़कर 74,350.28 के लेवल पर जा पहुंचा। निफ्टी ने भी सपाट ओपनिंग करने के बाद अचानक 175 अंकों की छलांग लगा दी।

दफ्तर का सरकारी सामान समेटकर चली गईं सीईओ, अब एफआईआर

भोपाल, एजेंसी

राजधानी के समीप जनपद पंचायत औबेदुल्लागंज की मुख्य कार्यपालन अधिकारी रहीं युक्ति शर्मा पर तबादले के बाद सरकारी सामान लेकर चले जाने का 'आरोप' लगा है। पंचायत ने उनको पत्र लिखकर सामान लौटाने का आग्रह किया था लेकिन जब सामान वापस नहीं मिला तो जिला पंचायत सीईओ ने एफआईआर दर्ज कराने का आदेश जारी कर दिया है। खबरो के मुताबिक जनपद पंचायत में सीईओ रहीं युक्ति शर्मा विवादों से जुड़ी रही हैं। गत वर्ष कर्मचारियों व ग्राम सचिवों ने उनके खिलाफ हड़ताल की थी। उनका आरोप था कि वे हर काम के लिए कमीशन मांगती हैं। फिर अगस्त में शर्मा को हटाकर शिवपुरी के पोषण आहार संयंत्र में मुख्य कार्यपालन अधिकारी बना दिया गया। तबादले की सूचना मिलते ही युक्ति शर्मा ने आटो में अपने कार्यालय का सामान रखा और चली गईं। इसमें कार्यालय का कम्प्यूटर, प्रिंटर व उनके कार्यालय में लगा बेड, गद्दा, इंडक्शन, कूकर तक शामिल है।

स्पेशल डीजी मनीष शर्मा का निधन

भोपाल। मप्र पुलिस में स्पेशल डीजी रेल और पूर्व मुख्य सचिव कृपाशंकर शर्मा के बेटे मनीषशंकर शर्मा का बीती रात असमय निधन हो गया। वे उपचार के लिए दिल्ली गए थे। वहीं उन्होंने अंतिम सांस ली। वे लगभग 57 वर्ष के थे। आज ही उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। शर्मा 1992 बैच के अधिकारी थे। वे संयुक्त राष्ट मिशन के तहत बोस्निया और हर्जेगोविना में भी पदस्थ रहे। जहां उन्होंने स्थानीय पुलिस अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया। वे सुरक्षा निदेशक (एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया) और टी-बोर्ड ऑफ इंडिया के निदेशक भी रहे। उन्हें अमेरिका के सैन डिएगो शहर में विशेष पुरस्कार से सम्मानित किया गया था और 20 जुलाई को हर साल 'मनीष शंकर शर्मा दिवस' के रूप में मनाने की घोषणा की थी।

मेट्रो एंकर

स्पेस स्टेशन स्थापित करने की योजना भी तेज

मिशन चंद्रयान 5 को मिली मंजूरी, इस बार प्रज्ञान 250 किलो का

नईदिल्ली, एजेंसी

आखिरकार सरकार ने चंद्रयान-5 मिशन को मंजूरी दे दी है। खुद इसरो अध्यक्ष वी नारायणन ने यह जानकारी देते हुए बताया है - अभी तीन दिन पहले ही हमें चंद्रयान-5 मिशन के लिए मंजूरी मिली है। इसमें जापान हमारा सहयोगी होगा। चंद्रयान-3 मिशन के लिए 25 किलोग्राम का रोवर (प्रज्ञान) ले जाया गया था, जबकि चंद्रयान-5 मिशन चंद्रमा की सतह का अध्ययन करने के लिए 250 किलोग्राम वजनी रोवर ले जाएगा। नारायणन ने कहा- 2027 में लॉन्च होने वाले चंद्रयान-4 मिशन का मकसद चंद्रमा की मिट्टी के नमूने लाना है। वहीं, गगनयान सहित कई मिशनों के अलावा अंतरिक्ष में भारत का अपना स्पेस स्टेशन स्थापित करने की योजनाओं पर काम चल रहा है।

उल्लेखनीय है कि कैबिनेट ने पिछले साल सितंबर में चंद्रयान-4 मिशन को मंजूरी दी थी। इस मिशन का उद्देश्य स्पेसक्राफ्ट को चंद्रमा पर उतारना, चंद्रमा की मिट्टी और चट्टानों के सैंपल इकट्ठा करना और उन्हें सुरक्षित पृथ्वी पर वापस लाना है। मिशन पर 2104 करोड़ रुपए की लागत आएगी। इस स्पेसक्राफ्ट में पांच अलग-अलग मॉड्यूल होंगे। जबकि, 2023 में चंद्रमा पर भेजे गए चंद्रयान-3 में प्रपल्शन मॉड्यूल (इंजन), लैंडर और रोवर तीन मॉड्यूल थे। चंद्रयान-4 के स्टैक 1 में लूनर सैंपल कलेक्शन के लिए एसेंडर मॉड्यूल और सतह पर लूनर सैंपल कलेक्शन के लिए डिसेंडर मॉड्यूल होगा। स्टैक 2 में थ्रस्ट के लिए एक प्रपल्शन मॉड्यूल, सैंपल होल्ड के लिए ट्रांसफर मॉड्यूल और सैंपल को पृथ्वी पर लाने के लिए री-एंट्री मॉड्यूल शामिल रहेगा। मिशन में दो अलग-अलग रॉकेट का इस्तेमाल होगा। चंद्रयान-4 मिशन कई स्टेज में पूरा होगा। चांद की कक्षा में पहुंचने के बाद मुख्य स्पेसक्राफ्ट से 2 मॉड्यूल अलग होकर सतह पर लैंड करेंगे। दोनों ही मॉड्यूल चांद की सतह से नमूने इकट्ठा करेंगे। फिर एक मॉड्यूल चांद की सतह से लॉन्च होगा और चांद की कक्षा में मुख्य स्पेसक्राफ्ट से जुड़ जाएगा।

नमूनों को धरती पर वापस आने वाले स्पेसक्राफ्ट में ट्रांसफर करके भेजा जाएगा। अभी इसरो अगले पंद्रह साल में अंतरिक्ष यात्रियों को चंद्रमा पर भेजने पर काम कर रहा है। अभी अमेरिका ही ऐसा देश है जो चांद पर इंसानों को भेज चुका है। चीन भी 2030 तक अपने एस्ट्रोनॉट को चांद पर पहुंचाने पर काम कर रहा है।

चांद पर होगी ड्रिलिंग

इसरो के वैज्ञानिक चांद की सतह से नमूने उठाने वाला रोबोट तैयार कर रहे हैं। गहराई तक ड्रिल करने तकनीक पर काम हो रहा है। नमूने इकट्ठा करने के लिए कंटेनर और डॉकिंग मैकेनिज्म की तकनीक विकसित की जा रही है। जल्द ही गगनयान में 3 दिनों के मिशन के लिए 3 सदस्यों के दल को 400 किमी ऊपर पृथ्वी की कक्षा में भेजा जाएगा। भारत के अंतरिक्ष स्टेशन में पांच मॉड्यूल होंगे। पहला मॉड्यूल 2028 में लॉन्च होगा। इसके लिए डिज़ाइन का काम पूरा हो चुका है और रिपोर्ट मंजूरी के लिए सरकार को सौंप दी गई है। ये स्टेशन स्पेस में एस्ट्रोनॉट का ठिकाना होगा।

अब चुभने लगी धूप...

भोपाल। इन दिनों मौसम का मिजाज अचानक बदल गया है। इन दिनों बादलों की आवाजाही का सिलसिला जारी है। इसके कारण दिन में तीखी धूप से राहत मिली है। बादलों के कारण रविवार को जहां अधिकतम तापमान में 2 डिग्री से अधिक की बढ़ोतरी हो गई है, वहीं न्यूनतम तापमान लगभग चार डिग्री बढ़ गया है। शहर में पांच दिनों बाद अधिकतम तापमान 37 डिग्री से गिरकर 35.2 डिग्री पर पहुंचा है। फिलहाल मौसम का मिजाज इसी तरह रहने की संभावना है, वहीं 19 मार्च के बाद फिर बादल आ सकते हैं।

पोल शिटिंग के कारण 8 माह से अटका पड़ा था काम, अब जोर पकड़ रहा

27 लाख रु. खर्च कर बनाई नाली नहीं बनाए स्लैब, पत्थर भी डैमेज

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

कृष्णा आर्केड के रहवासी ओपेन की समस्या को लेकर पिछले एक साल से परेशान हो रहे हैं। आलम यह है कि ठेकेदार ने 27 लाख की लागत से बनी 3 फीट चौड़ी नाली में स्लोब नहीं डाला। जिससे आवागमन में लोगों की फजीहत हो रही है। जोन-13 के वार्ड-53 के रहवासियों की मानें तो नगर निगम के कॉल सेंटर से लेकर, सीएम हेल्पलाइन और महापौर से भी इसकी शिकायत की, लेकिन समस्या का समाधान अभी तक नहीं हो पाया। इतना ही नहीं नगर निगम के जिम्मेदार अधिकारियों की अनदेखी का खामियाजा आसपास के रहवासियों को भुगतना पड़ रहा है। आए दिन आवरा मवेशी और वाहन चालक नाली में स्लोब नहीं होने के चलते दुर्घनाओं का शिकार हो रहे हैं इनमें से कई लोगों को अस्पताल भी जाना पड़ गया है। रहवासियों के मुताबिक कृष्णा आर्केड मार्केट के सामने से लेकर बहने वाले भेल संगम नाले तक करीब एक साल पहले तक उक्त नाली बनाई गई थी।

जिम्मेदारों की मनमानी: कृष्णा आर्केड क्षेत्र में ठेकेदार ने जमकर मनमानी की और निर्माण में व्यापारियों की परेशानियों का ख्याल नहीं रखा। जिसके चलते अब रहवासी,व्यापारी और वाहन चालकों आवागमन में जद्दोजहद करने पड़ रही है। व्यापारियों ने बताया कि नाली निर्माण के दौरान नगर निगम के अधिकारी और ठेकेदार से मांग की थी कि नाली के ऊपर स्लोब बना दिया जिससे लोगों को आवाजाही करने में परेशान ना होना पड़े,लेकिन दोनों ने इसे अनसुना कर दिया। लोगों का कहना है कि मार्के ट के सामने नाली में पत्थर लगाए गए हैं जिससे कोई भी वाहन गुजरते ही वे डैमेज हो रहे हैं जिससे वाहनों के नीचे गिरने की आशंका बनी रहती है। जबकि यदि इसमें स्लोब बनाया गया होता तो लोगों इसके ऊपर से आवाजाही करने में परेशान नहीं होना पड़ता। नाली पर स्लोब नहीं ढ़ालने के चलते रहवासियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। आए दिन वाहन चालक दुर्घटना का शिकार हो रहे हैं सथ ही आवारा मवेशी भी खुले में बह रही नाली में गिर रहे हैं। शिकायत बाद भी समस्याओं का समाधान नहीं कराया जा रहा है।

अभी ये है स्थिति

कृष्णा आर्केड मार्केट में किनारे नाली बनाई गई है। जिसके ऊपर स्लोब ढालने के बजाए उसे पत्थर से ढंका गया है। जबकि जमीनी हकीकत यह है कि ये वाहनों के आवागमन में डैमेज हो रहे हैं जिसकी वजह से अब तक कई वाहन चालक नाली में गिर चुके हैं। इतना ही नहीं जहा नाली खुले है वहां पर आवारा मवेशी भी इसकी चपेट में आ चुके हैं, लेकिन ताजुब इस बात का है कि जिम्मेदारों से शिकायत करने के बाद भी समस्याओं का समाधान नहीं कराया जा रहा है। नाली के कृष्णा आर्कड एकं वर्ष पूर्व से रुका पढ़ा हुआ है। कुछ जगहों पर नाली ढंकने का काम अभी भी शेष है जिससे अब तक दर्जनों लोग घायल हो चुके है। नाली में कई बार दो पहिया वाहन एवं कार भी गिर चुकी हैं। जिससे जिससे व्यरपारियों में रोष व्याप्त है।

संत वासूराम साहिब जंयती महोत्सव तीन अप्रैल से

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

संतनगर में 237 वीं संत वासूराम साहिब जयन्ती महोत्सव तीन से छह अप्रैल तक मनाया जाएगा। संत वासूराम सनातन दरबार, संतनगर संत वासूराम साहिब जयंती महोत्सव का आयोजन करेगा। महोत्सव तीन अप्रैल को शाम पांच बजे श्री अखंड पाठ साहिब के साथ महोत्सव की शुरूआत होगी। शाम छह से आठ बजे तक तीनों दिन बहिराणा साहिब की जोत प्रज्ज्वलित की जाएगी। भाई साहिब अर्जुनदास वासवानी रात्रि 9 बजे से - माता का जागरण एवं म्यूजिकल पार्टी कार्यक्रम प्रस्तुत करेगी। चार अप्रैल को सुबह 8 बजे से भाई साहिब परषोत्तम लाल बासवानी (गद्दीनशीन) का आशादीवार, सत्संग एवं आरती होगी। सांय 4 से 6 बजे तक दादी विद्यादेवी का सत्संग होगा। स्वामी शांतिप्रकाश आश्रम, बैरागढ़ सांय 6 से 8 बजे तक - मोतीराम एण्ड पार्टी रमेश रीझवानी छेज एवं पलव रात्रि 8 बजे से खाटूश्याम का जागरण होगा। पांच अप्रैल को सुबह 10 बजे 51 बच्चों का सामूहिक संस्कार होगा, जो जय कुमार शर्मा एंव यश कुमार शर्मा कराएंगे। दोपहर एक बजे से भंडारा, सांय 4 बजे भोग साहिब एवं लोली औरी सांय 6 से 8 बजे तक छेज एवं पल्लव होगा। रात्रि 9 बजे से सांई कमल कुमार एवं सांई सन्नी कुमार सांई वसण शाह दरबार नागपुर रविवार 6 अप्रैल को प्रातः 8 से 10 बजे पल्लव साहिब भाई साहिब परशोतम वासवानी एवं सांई कमल कुमार, सांई केशवलाल जग्यासी सांई वसण शाह दरबार नागपुर करेंगे।

'कायस्थम' का होली मिलन

भोपाल, दोपहर मेट्रो। कायस्थ समाज की अग्रणी संस्था कायस्थम भोपाल द्वारा होली के अवसर पर चित्रांश बंधुओ का होली मिलन रंग बरसे आयोजित किया गया। इसमें बड़ी संख्या में कायस्थजन एकत्रित हुए और जमकर होली खेली। सभी ने एक दूसरे को गुलाल लगाकर और फूलों की वर्षा कर होली की शुभकामनाएं दी। होली के गीतों रंग बरसे भीगे चुनर वाली रंग बरसे, होली आई रे कन्हाई, होली के दिन दिल मिल जाते है, जैसे प्रसिद्ध गानों पर समाज के पुरुषों, महिलाओं,युवाओं ने जमकर धमाल मचाया और एक दूसरे को बधाइयां दी।

तुम मुझे यूं भुला न पाओगे..., लाखों हैं निगाह में.... जैसे गीतों से रंगश्री लिटिल बैले ग्रुप सभागार गूंज उठा

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

तुम मुझे यूं भुला न पाओगे..., लाखों हैं निगाह में.... जैसे गीतों से रंगश्री लिटिल बैले ग्रुप सभागार गूंज उठा। मौका था संस्कृति संचालनालय मध्यप्रदेश शासन के सहयोग से चैतन्य सोश्यो कल्चरल सोसायटी द्वारा लता मंगेशकर एवं मोहमद रफी की स्मृति में आयोजित कार्यक्रम श्रद्धा समन्वित -4 का। कार्यक्रम में संस्था द्वारा वियात गायक सलीम अल्लाहवाले को उनकी अनवरत संगीत साधना के लिए ''लता मंगेशकर- मोहमद रफी श्रद्धा समन्वित -4 समान'' से अलंकृत किया गया। इसी के साथ-साथ डॉ. श्रुति कीर्ति बारिक, विभा श्रीवास्तव, सपना गुहा, अजय श्रीवास्तव, गौरी शंकर गुप्ता, पीयूष भटनागर, तरुण दत्त पाण्डेय, नेपाल सिंह, पवन श्रीवास्तव, संजीव रंजन सक्सेना, अक्षत सिंह द्वारा लता मंगेशकर और मो रफी द्वारा गाए गए गीतों की प्रस्तुति दी गई।

एकल-युगल गीत भी गाए

मौके पर सुमन कोठारी, वर्षा मालवीय, मनीषा हुराईया, प्रियंका शर्मा और अनन्या यादव, मनीषा हुराईया ने लता मंगेशकर के गीतों ठाड़े रहियो ओ बांके यार, नील गगन की छांव में, अपलम-चपलम चलाई रे, मोहे पनघट पर नंद लाल छेड़ गयो रे.. पर नृत्य प्रस्तुतियां दी। कार्यक्रम के दौरान तूने ओ रंगीले कैसा जादू किया, भीगी-भीगी रुत है, क्या हुआ तेरा वादा, हम थे जिनके सहारे, आपके हसीन रूख पे आज नया नूर है, छलकाएं जाम... आदि गीतों की एकल और युगल प्रस्तुति दी गई।

वन विहार का इको सेंसिटिव जोन के लिए प्रशासन की टीम आज से करेगी मैपिंग

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

वन विहार से 100 मीटर दूरी तक इको सेंसिटिव जोन तय करने प्रशासन व वन विहार की टीम सोमवार से मैपिंग शुरू करेगी। एसडीएम टीटी नगर अर्चना शर्मा के अनुसार प्रशासन व वन विभाग के करीब 15 कर्मचारी इस काम में लगा गए हैं। दो अलग-अलग टीमें बनाई गई है। 100 मीटर दायरे में सीमांकन के लिए उपयोग की जाने वाली मशीनों से सीमा तय कर मुनार स्थापित कराई जाएगी। इको सेंसिटिव जोन में किसी भी तरह की गतिविधि प्रतिबंधित रहेगी।

इको-सेंसिटिव जोन का महत्व: इस क्षेत्र में ऐसे प्रतिबंध होते हैं, जिससे वन्यजीवों व प्राकृतिक पारिस्थिति को नुकसान न पहुंचे। बड़े निर्माण, खनन, औद्योगिक गतिविधियां और वनों की कटाई पर नियंत्रण रखा जाता है। पर्यटन को बढ़ावा दिया जाता है, ताकि लोग प्रकृति का आनंद ले सकें। वन विहार राष्ट्रीय उद्यान भोपाल के बीचों-बीच स्थित है और यह बड़े तालाब से सटा हुआ है। यहां बाघ, तेंदुआ, भालू, हिरण, मगरमच्छ आदि कई वन्यजीव संरक्षित हैं।

मेट्रो एंकर

सिंधी मैराथन 23 मार्च को होगी-दरयानी

सिंधी मेला समिति के होली मिलन समारोह में बिखरा उत्सव का रंग

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

सिंधी मेला समिति ने होली मिलन समारोह एवं पारिवारिक पिकनिक का आयोजन किया गया। इस मौके पर सिंधी समाज के सभी लोगों ने जमकर फूलो की होली खेली, समारोह में उपस्थित सभी लोगों को सिंधी मिठाई (गिहर) से मुह मीठा करवाया, इस आयोजन को लेकर सभी लोगों में काफ़ी उत्साह देखा गया। साथ ही पारिवारिक वातावरण में लोगों ने पिकनिक का भी भरपूर आनंद लिया। इस दौरान महिलाओं के लिए चम्मच रेस, तंबोला, फन क्विज़, चेयर रेस, पुल पार्टी, डांस म्यूजिक, इत्यादि गेम्स खेले गये, सभी लोगों ने इस पल को खूब एंज्याय किया। इस पल की यादो को अपने कैमरे में कैप्चर कर लिया गया। साथ ही लज़ीज व्यंजन का लोगों ने लुत्फ उठाया।

मथुरा के गीतों पर नृत्य

इस अवसर पर सिंधी मेला समिति के अध्यक्ष मनीष दरयानी ने बताया कि सिंधी मेला परिवार की ओर से आयोजन किया गया है, इस पारिवारिक होली मिलन समारोह में उज्जैन के सर्वोत्तम नृत्य अकादमी के कलाकार द्वारा मथुरा के गीत पर नृत्य प्रस्तुत कर समांबांध दिया।

यह शामिल हुए कार्यक्रम में

इस अवसर पर प्रमुख रूप से विधायक भगवानदास सबनानी, नरेश तलरेजा, के. एल. दलवानी, प्रदीप आर्तृतवानी,महेश बजाज, दीपक राजानी, नरेश गिदवानी, रवि आनंद, पंडित रवि शर्मा, ठाकुर पंजवानी, पिकनिक संयोजक सुनील किंगरानी, हरीश मेंघानी महिला संयोजक सिया आसुदानी, सीमा सबनानी. दिव्या दरयानी, पूजा भाटिया, भावना जगवानी, सुनील मंगवानी, चंदन डुलानी, कपिल भाटिया, राम आसुदानी, मोहित शेवानी, हरकिशन निहालानी, सहित समाज के गणमान्य नागरिक विशेष रूप से उपस्थित हुए थे।

सिन्धी मैराथन 23 मार्च को

समाज के हर आयु वर्ग को फिजिकल फिटनेस की ओर आकर्षित करने हेतु सिंधी मेला समिति द्वारा शहीद हेमू कालानी जी के जन्म दिवस रविवार 23 मार्च 2025 को सुबह 06 बजे भोपाल में पहली बार सिन्धी मैराथन आयोजित की जा रही है, जिसमें ,पद्मश्री, पद्मभूषण प्राप्त पंकज आडवाणी हिस्सा लेंगे।

राजस्व लक्ष्य हासिल करने छुट्टी के दिन खुले सरकारी दफ्तर

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

वित्तीय वर्ष 2024-25 की समाप्ति के साथ ही सरकारी विभागों पर मार्च क्लोजिंग का प्रेशर बढ़ता जा रहा है। जिला प्रशासन, निगम सहित पंजीयन विभाग के अधिकारियों ने राजस्व लक्ष्य की प्राप्ति करने के लिए रविवार को छुट्टी के दिन भी कार्यालय खुले रखने का निर्णय लिया था। पूर्व सूचना जारी होने के बाद बड़ी संख्या में नागरिकों ने नगर निगम टैक्स कार्यालय पहुंचकर अपना प्रॉपर्टी टैक्स जमा किया। इसी प्रकार पंजीयन विभाग में रविवार को सुबह से लेकर शाम तक 64 दस्तावेज की रजिस्ट्री हुई है। 31 मार्च से पहले सभी विभाग राजस्व लक्ष्य हासिल करने के लिए कर्मचारियों को मुस्तैद रहने के निर्देश दे चुके हैं। रविवार को भोपाल में दिनभर में कुल 64 दस्तावेज पंजीकृत हुए।

अब 30.77 लाख करोड़ रुपए के निवेश जमीन पर उतारने की चुनौती

प्रदेश सरकार ने जिलों में उद्योग प्रकोष्ठ व 6 स्तरीय निगरानी व्यवस्था बनाने का निर्णय लिया

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

ग्लोबल इन्वेस्टर समिट में भले ही सरकार को 30.77 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव मिले हो लेकिन इन्हें अब जमीन पर उतारने में कई तरह की चुनौतियों का सामना करना तय है। हालांकि सरकार ने दावा किया है कि जिलों में उद्योग प्रकोष्ठ बनाया जाएगा। इसके अलावा 6 स्तरीय निगरानी व्यवस्था भी बना दी है। लेकिन ये सभी व्यवस्थाएं फिलहाल कागजों में ही हैं।

फिलहाल तो सरकार की कोशिश है कि काम जमीन पर दिखे, यही आम लोग भी चाहते है। तभी प्रदेश का भला भी होगा। दरअसल मप्र आर्थिक संकट से गुजर रहा है। सरकार पर 4.21 लाख करोड़ का कर्ज हो चुका है। यह निरंतर बढ़ता जा रहा है। अप्रत्यक्ष रूप से प्रत्येक नागरिकों पर कर्ज चढ़ रहा है। सरकार का दावा है कि जो कर्ज लिया जा रहा है उससे मप्र का विकास ही हो रहा है, नुकसान की तो कोई बात ही नहीं है लेकिन कई नागरिकों के मन में इस बात की आशंका है कि कहीं वे प्रदेश सरकार द्वारा लिए जा रहे कर्ज का शिकार न हो जाए। ऐसे में उद्योगों के जरिए सरकार ने मप्र को आर्थिक गति देने की दिशा में ठोस प्रयास शुरू किए है। ग्लोबल इन्वेस्टर समिट में 30.77 लाख करोड़ के प्रस्ताव इसका ताजा उदाहरण है। जानकारों का कहना है कि निवेश के प्रस्ताव तो आ चुके है, जब निवेशक निवेश करना चाहते हैं और सरकार निवेश कराना चाहती है तो प्रस्ताव की जरूरत ही नहीं होनी चाहिए, बल्कि सीधे जमीन पर काम शुरू कराया जाना चाहिए। सरकार को जमीन तभी आवंटित की जानी चाहिए, जब निवेशक, निवेश करने के लिए सीधे तौर पर तैयार हो।

फाइल फोटो

लैंडबैंक पूरी तरह आवंटित न करे सरकार!

किसी भी सरकार के पास आरक्षित लैंडबैंक होता है, जो भविष्य की जरुरतों को देखकर रखा जाता है। मप्र के पास भी जो लैंडबैंक है वह भी भविष्य की जरुरत है। विशेषज्ञों का कहना है कि सरकार को पूरी तरह लैंडबैंक आवंटित नहीं करना चाहिए, क्योंकि जब प्रदेश के हिस्से की जमीन ही नहीं होगी, तो आने वाली पीढ़ियों के लिए विकास करना बहुत मुश्किल हो जाएगा।

जिन्हें जमीन दी, उनकी टोह

जिन उद्योगपतियों व निवेशकों को पुराने वर्षों में सरकारों ने निवेश के नाम पर जमीनें दी हैं, उनमें से कितनों ने उद्योग लगाए, कितनों ने नहीं लगाए, कितनों ने उद्योग लगाने की खानापूर्ति की और कितनों ने उद्योग के लिए जमीन आवंटित कराने के बाद उस पर कर्ज लिया लेकिन कुछ नहीं किया, ऐसे आरोप भी लगे हैं और सियासी तौर पर भी यह जानकारी सार्वजनिक करने की मांग हुई है।

आरजीपीवी के पास बनेगी राष्ट्रीय रक्षा यूनिवर्सिटी

गृहमंत्री शाह ने सीएम डॉ. यादव की मांग मानी

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

राजधानी में राष्ट्रीय रक्षा विवि की सथापना के काम में तेजी आई है। गृह मंत्रालय के अधीन यूनिवर्सिटी आकार लेगी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मुख्यमंत्री मोहन यादव की मांग को स्वीकार करते हुए तत्काल प्रभाव से राष्ट्रीय रक्षा यूनिवर्सिटी का भोपाल में रीजनल कैम्पस प्रारंभ करने के लिए संबंधितों को निर्देश दे दिए हैं। वहीं तकनीकी शिक्षा विभाग ने राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय परिसर से लगी 10 एकड़ भूमि चिन्हित करते हुए मांगी गई सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है।

राष्ट्रीय रक्षा यूनिवर्सिटी के भोपाल में रीजनल कैम्पस के आकार लेने से मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, राजस्थान, उत्तर प्रदेश समेत अन्य राज्यों के स्टूडेंट्स को लाभ होगा और रोजगार के अवसर सृजित होंगे। जानकारी के अनुसार के अनुसार शाह को पिछले दिनों यादव ने एक पत्र लिखकर आग्रह किया था कि गृह मंत्रालय भारत सरकार के अधीन देश के एक मात्र राष्ट्रीय रक्षा यूनिवर्सिटी का मध्यप्रदेश के भोपाल में रीजनल कैम्पस प्रारंभ किया जाए। अब रक्षा यूनिवर्सिटी के वाईस चांसलर बिमल एन पटेल को निर्देशित किया गया है कि इसकी सभी औपचारिकताएं पूरी की जाएं। एमपी पोस्ट के मुताबिक इसी तारतम्य में राष्ट्रीय रक्षा यूनिवर्सिटी के वाईस चांसलर बिमल एन पटेल ने मुख्य सचिव अनुराग जैन को पत्र भेजा है।

बताया जाता है कि राष्ट्रीय रक्षा यूनिवर्सिटी के भोपाल में रीजनल कैम्पस, टेम्परारी स्थापित करने के लिए 01.5 करोड़ प्रति वर्ष, तीन साल तक आर्थिक सहयोग के रूप में समर्पित कोष, लगभग 150 स्टूडेंट्स के लिए 10 क्लास रूम, 03 लैब, हॉस्टल, स्पोर्ट्स ग्राउंड सहित अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के उपरांत अकादमिक प्रक्रिया शुरू की जा सकती है।

अब तक निजी स्कूलों ने सार्वजनिक नहीं किया फीस ब्यौरा, अभिभावक परेशान

दो माह बीत जाने के बाद भी आदेश पर अमल नहीं करा सका अमला

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

प्रदेश में फीस, पुस्तकों सहित अन्य ब्यौरा सार्वजनिक करने को लेकर निजी स्कूलों की मनमानी जारी है। इस संबंध में आदेश जारी होने के बाद भी निजी स्कूलों की ओर से अब तक ब्यौरा सार्वजनिक नहीं किया गया है। जबकि शासन की द्वारा नए सत्र को ध्यान में रखते हुए दिशा-निर्देश जारी किए गए है, लेकिन आदेश का पालन नहीं हो सकता है। ऐसे में अभिभावक परेशान हैं। मामले में पालक महासंघ के महासचिव प्रबोध पंड्या का कहना है कि पूरे प्रदेश में संचालित करीब 34 हजार 662 निजी स्कूलों में से अब तक मात्र करीब एक हजार स्कूलों की ओर से ही फीस की जानकारी सार्वजनिक की गई है और वह भी अधूरी है। हालात यह हैं कि राजधानी भोपाल में ही अधिकारी आदेशों का पालन नहीं करा पा रहे हैं। स्कूलों के पोर्टल पर अब भी जानकारी उपलब्ध नहीं है।?बार-बार शासन-प्रशासन को पत्र लिखने और अवगत कराने के बाद भी इस मामले में कोई गंभीरता नहीं दिखाई जा रही है। ऐसे में अभिभावक परेशान हैं।

आदेश पर अमल नहीं

शासन-प्रशासन द्वारा प्रवेश, यूनिफार्म सहित पुस्तकों को लेकर कुछ माह पूर्व सख्त निर्देश जारी करते हुए 30 जनवरी तक ब्यौरा सार्वजनिक करने के निर्देश दिए गए थे। इसके साथ ही स्कूलों को आगामी शिक्षण सत्र प्रारंभ होने के पहले अनिवार्य रूप से लेखक एवं प्रकाशक के नाम, मूल्य के साथ कक्षा वार पुस्तकों की सूची स्कूल के सूचना पटल पर प्रदर्शित करने की बात कही गई थी। स्कूलों को निर्देश दिए कि वह कक्षा की पाठ्यपुस्तकों एवं प्रकाशक की जानकारी को वेबसाइट पर अनिवार्यत: अपलोड करेंगे। हॉर्ड कॉपी जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में जमा करानी होगी, लेकिन इस आदेश पर अमल नहीं हो सका है। नतीजन अभिभावक परेशान हैं।

प्रवेशोत्सव के साथ 1 अप्रैल से शुरू होगा नया सत्र, रिजल्ट में होगी देरी

स्कूलों में शाला प्रबंध समिति और अभिभावकों की बैठक का आज अंतिम दिन

भोपाल। स्कूल शिक्षा विभाग ने प्रदेश के सरकारी स्कूलों में एक अप्रैल से शुरू होने वाले नए सत्र को लेकर तैयारियां तेज कर दी हैं। प्रवेशोत्सव के साथ स्कूलों में नया शैक्षणिक सत्र शुरू होगा। हालांकि फिलहाल परीक्षाएं जारी हैं और 25 मार्च तक मूल्यांकन पूरा किया जाना था, लेकिन अब तक मूल्यांकन पूरा नहीं हो सका है। ऐसे में कक्षाओं के परीक्षा परिणाम जारी होने के साथ नामांकन प्रक्रिया में भी देरी हो सकती है।

दरअसल, विभाग द्वारा निर्देश दिए गए हैं कि स्कूलों में शाला प्रबंध समिति एवं अभिभावकों की बैठक का आयोजन किया जाए। इसके तहत स्कूलों में सोमवार तक प्रत्येक विद्यार्थी के माता-पिता को आमंत्रित किया जाना है और बच्चे की विगत वर्ष के प्रदर्शन के आधार पर शैक्षणिक प्रदर्शन के साथ नए शैक्षणिक सत्र के प्रथम माह में आयोजित होने वाली गतिविधियों के बारे में जानकारी देनी है।हालांकि अभी भी कई स्कूलों में शाला प्रबंध समिति की बैठक नहीं हो सकी है, ऐसे में तारीख में बढ़ने की संभावना है।

एक अप्रैल को पाठ्यपुस्तकों का वितरण किया जाएगा

शैक्षणिक सत्र प्रारंभ होने से पहले स्कूलों को सजाया जाएगा। इस दिन बाल सभा का आयोजन किया जाएगा। विद्यार्थियों का स्वागत किया जाएगा। इसको लेकर स्कूल शिक्षा विभाग ने दिशा-निर्देश जारी किए हैं। जारी आदेश के अनुसार, स्कूलों एक अप्रैल को ही सभी विद्यार्थियों को पाठ्यपुस्तकों का वितरण भी किया जाए। इससे पहले 25 मार्च तक कक्षाओं में नामांकन कार्य पूरा करना है।

एक शिक्षक को 10 विद्यार्थियों की जिम्मेदारी सौंपी गई

यह भी निर्देशित किया गया है कि जो विद्यार्थी दो साल पहले स्कूल में अध्ययनरत थे, लेकिन इस साल किसी भी स्कूल में नहीं हैं, यानी शाला त्यागी हैं या ड्राप बाक्स में चले गए हैं, ऐसे बच्चों को स्कूल में लाने के लिए शिक्षकों को जिम्मेदारी दी जाए। एक शिक्षक को 10 विद्यार्थियों की जिम्मेदारी सौंपी जाए। उनका 10 अप्रैल तक भौतिक सत्यापन का कार्य पूर्ण किया जाए।

दो पाली में आयोजित हुई इग्नू में बीएड और बीएससी नर्सिंग की प्रवेश परीक्षा

भोपाल। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के अकादमिक पाठ्यक्रम बीएड एवं बीएससी नर्सिंग (पोस्ट बेसिक) कार्यक्रम की प्रवेश परीक्षा रविवार को दो पालियों में आयोजित की गई। प्रथम पाली में बी.एड. की परीक्षा 10 बजे सुबह से आयोजित की गई। द्वितीय पाली में बी.एस.सी. नर्सिंग की परीक्षा 2 बजे से आयोजित की गई।जिसकी समय अवधि 2:30 घंटे रही।?इग्नू के अपर निदेशक डॉ.अंशुमान उपाध्याय ने बताया कि इग्नू का बी.एड. कार्यक्रम कार्यरत शिक्षकों में बहुत ही लोकप्रिय हैं एवं एन.सी.टी. द्वारा मान्यता प्राप्त हैं। इग्नू द्वारा संचालित बी.एस.सी. नर्सिंग (पोस्ट बेसिक) पाठ्यक्रम मे प्रवेश के लिए अनेक अभ्यार्थी इस प्रवेश परीक्षा में भाग लिया है। इग्नू की प्रवेश परीक्षा भोपाल क्षेत्र में करियर कॉलेज भोपाल, जीवाजी यूनिवर्सिटी ग्वालियर एवं मूकबधिर संगठन इंदौर पर आयोजित की गई।

खतरे की घंटी है मऊगंज, मुख्यमंत्री अब किसी मंत्री को सौंपे गृह महकमा

अजय सिंह ने कहा-कानून व्यवस्था बहुत कमजोर

भोपाल। पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजयसिंह ने प्रदेश में कानून और व्यवस्था की बिगड़ती स्थिति पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि मऊगंज में एक युवक और पुलिस अधिकारी की हत्या तथा तहसीलदार और बड़ी संख्या में पुलिस कर्मियों के घायल होने की घटना शांति और सौहार्द से रहने वाले मध्यप्रदेश के लिए खतरे की घंटी है। इसी तरह इंदौर में वकीलों और पुलिस में खुले आम मारपीट की घटना बताती है कि हालात कितने गंभीर हैं। वरिष्ठ कांग्रेस नेता सिंह ने कहा कि अन्य बड़े विभागों के साथ साथ प्रदेश में गृह विभाग का दायित्व स्वयं मुख्यमंत्री ही संभाल रहे हैं। इस कारण गृह विभाग के साथ न्याय नहीं हो पा रहा है। उनकी व्यस्तता के चलते गृह विभाग का पृथक से कैबिनेट मंत्री होना चाहिए । ऐसा लगता है कि गृह विभाग उनकी प्राथमिकता में नहीं है। यदि अलग से कोई मंत्री होते तो वे प्रदेश की कानून और व्यवस्था पर पूरी तरह ध्यान केंद्रित करते। सिंह ने मांग की है कि मऊगंज, इंदौर और दूसरे स्थानों पर घटित इस तरह की घटनाओं को सरकार गंभीरता से ले और भविष्य में इनकी पुनरावृत्ति रोकने के लिए ठोस कदम उठाए।

संपादकीय

साफगोई ही काफी नहीं

हाल में कांग्रेस के सबसे बड़े नेता माने जाने वाले राहुल गांधी ने अहमदाबाद में कुछ ऐसी बातें कहीं हैं जिनके बहुत सारे निहितार्थ निकाले जा रहे हैं। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए जिस तरह की साफगोई दिखाई, उसे उनके किसी सामान्य बयान की तरह नहीं लिया जा रहा है। वैसे भी, सार्वजनिक तौर पर पार्टी नेताओं के एक हिस्से को विरोधी पार्टी से मिलीभगत का दोषी बताना किसी भी नेतृत्व के लिए जोखिम भरा काम होता है। मगर ऐसा लगता है कि अब कांग्रेस नेतृत्व ने यह जोखिम सोच-समझ कर ही उठाया होगा, लेकिन इसके पीछे वास्तव में उसकी कितनी तैयारी है, यह पार्टी के आगामी कदमों से स्पष्ट होगा। हालांकि आमतौर पर देखा गया है कि राहुल अक्सर बहुत आक्रामक और अपने काडर के लिये आशाजनक बातें तो कहते हैं लेकिन उसके मुताबिक पूरा नहीं बल्कि आधाअधूरा एक्शन होता है। फिर भी इस बार राहुल गांधी के बयान की कुछ बातें खास तौर से ध्यान देने लायक हैं। मसलन उन्होंने पार्टी की विचारधारा को सर्वोच्च कसौटी बनाने की बात कहते हुए कार्यकर्ताओं से कहा कि इसे वे चुनावी हार-जीत से जोड़कर न देखें। जाहिर है, उनकी नजर इस बात पर है कि कांग्रेस सही अर्थों में बीजेपी का विकल्प बनी रहे। गौरतलब बात है कि राहुल गांधी अपने भाषणों में भाजपा मौजूदा नेतृत्व की या भाजपा की सीधी ही आलोचना तक खुद को सीमित नहीं रखते। वह बहस को सावरकर बनाम गांधी और संघ बनाम कांग्रेस की ओर ले जाने की कोशिश लगातार करते रहे हैं। विपक्षी ब्लॉक इंडिया के अन्य दल और नेता इस मामले में उतने आक्रामक नहीं दिखते। इस लिहाज से अहमदाबाद में कही गई राहुल गांधी की बातें उनके दीर्घकालिक नजरिए के अनुरूप ही हैं। अगर राहुल गांधी कांग्रेस पार्टी को अपनी इस लाइन पर संगठित करते हुए कथित भाजपा समर्थक नेताओं से पार्टी को मुक्त कर लेते हैं तो वोटरों के लिहाज से यह इस मायने में अच्छा होगा कि उनके सामने दोनों विकल्प पूरी तरह स्पष्ट होंगे। वे चाहें तो भारतीयता को लेकर संघ की दृष्टि को चुनें या कांग्रेस के नजरिए से सहमति दिखाएं या बारी-बारी दोनों को आजमाते रहें। लेकिन ऐसा नहीं होगा कि एक के भ्रम में दूसरे को चुन लें और छला हुआ महसूस करें। एक राजनीतिक दल के रूप में कांग्रेस को हर चुनाव का सामना करना है। ऐसे में उसका नेतृत्व चाहे या न चाहे उसके हर कदम, हर फैसले को चुनावी कसौटी से गुजरना ही होगा। राहुल गांधी के ताजा बयान की भी सबसे बड़ी परीक्षा यही होगी कि दो साल बाद होने वाले गुजरात विधानसभा चुनाव में वह पार्टी के लिए कितना फायदेमंद या नुकसानदेह साबित होता है। राहुल ने करीब आठ साल पहले के गुजरात विस चुनाव में जबर्दस्त आक्रामकता दिखाई और पार्टी को भी इतनी सीटें मिली थीं कि भाजपा सौ का आंकडा पार करने में मुश्किल महसूस कर रही थी। लेकिन तीन साल पहले जब फिर चुनाव हुए तो कांग्रेस को सीटों का जबर्दस्त नुकसान हो गया, उसके बहुत सारे मौके आम आदमी पार्टी के चुनाव मैदान में उतरने से ध्वस्त हो गए। यह वजह भी साफ है और वह भी, जो राहुल ने गुजरात जाकर कही है, कि कांग्रेस के भीतर भाजपा के स्लीपर सेल हैं। अब जरूरी यह है कि वे सिर्फ बातों तक सीमित न रहे,बल्कि ऐसे कदम उठायें जो कांग्रेस के कॉडर को रिचार्ज कर सके, उन्होंने अपने संगठन की गलतियों को भी बेबाकी से उजागर किया है और यह कहा है कि पार्टी रेस के घोडों और बारात के घोडों में फर्क नहीं कर पाती है। तो जाहिर है कि राहुल को खुद यह फर्क लोगों की नजरों में साफ करना होगा।

परिवर्तन संसार का नियम है। जिस समाज में हम रह रहे हैं कुछ वर्षों पहले तक ये ऐसा नहीं था और न ही हमेशा ऐसा रहेगा।

- श्रीमद्भगवत गीता

आज का इतिहास

- 1861: इटली का एकीकरण।
- 1920: बांग्लादेश के पहले राष्ट्रपति शेख मुजीब-उर-रहमान का जन्म।
- 1957: फिलीपीन के राष्ट्रपति रैमन मैग्सायसाय की हवाई दुर्घटना में मृत्यु।
- 1962: भारतीय महिला अंतरिक्ष यात्री कल्पना चावला का जन्म।
- 1969: गोल्डा मेयर इजराइल की प्रथम महिला प्रधानमंत्री बनीं।
- 1990: भारतीय महिला बैंडमिटन खिलाड़ी सायना नेहवाल का जन्म।
- 1987: क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लिया।
- 1994: रूस द्वारा नाटो की शांति सहयोग योजना में शामिल होने का निर्णय।
- 1996: क्रिकेट विश्वकप के फाइनल में श्रीलंका ने आस्ट्रेलिया को सात विकेट से हराकर खिताब जीता।
- 1989: उत्तर प्रदेश के दो बार मुख्यमंत्री रहे हेमवती नंदन बहुगुणा का निधन।
- 2004: नासा का मैसेंजर बुध ग्रह की कक्षा में प्रवेश का पहला अंतरिक्षयान बना।
- 2020: कोविड-19 के कारण देश में तीसरी मौत, संक्रमितों की संख्या बढ़कर 126 पर पहुंची।
- 2024: इजराइल ने सीरिया में कई ठिकानों पर हवाई हमले किए।

निशाना

नया अब जुड़ाव !

–कृष्णेन्द्र राय

कायाकल्प कर रहे।
दिखना तय बदलाव ।।
कर के रहेंगे जल्द।
नया अब जुड़ाव ।।
कोशिश लगातार है।
कर पाएं कुछ हल ।।
सोच रहे हैं हम भी।
सवरे अपना कल ।।
उत्तर देना भारी है।
दिखता नहीं सुधार ।।
बच सकते हैं उससे।
होता जो प्रहार ।।
होना असरदार यदि।
करना फिर प्रयास ।।
समय आज है आन।
होगा बनना ख़ास ।।

अभिव्यक्ति की आजादी व नैतिकता के यक्ष प्रश्न

■ संजय हेगड़े

रणवीर इलाहाबादिया मामले पर सर्वोच्च न्यायालय का बर्ताव झलक है कि किस तरह न्यायपालिका को रस्सी पर संतुलन साधकर चलना चाहिए-नैतिकता को लेकर बने हंगामे और संवैधानिक औचित्य के बीच। सोशल मीडिया के इस 'इन्फ्लुएंसर' को अंतरिम राहत एक कठिन सुनवाई के बाद मिली, जिसके केंद्र में नैतिकता को लेकर बना क्षोभ था। इलाहाबादिया की व्यक्तिगत स्वतंत्रता की रक्षा करने का न्यायालय का निर्णय सही था। फिर भी, जिस तरह से मामला आगे बढ़ा, उससे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर प्रतिकूल असर पड़ेगा।

इलाहाबादिया, एक जानी-मानी सोशल मीडिया हस्ती हैं, उन्हें इंडियाज गॉट लेटेंट शो में की गई अपनी टिप्पणियों के कारण अनेक पुलिस प्राथमिकियों का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि, उनकी टिप्पणियों का उद्देश्य महज हंसाना था, लेकिन इसने पूरे देश में रोष खड़ा कर दिया। मीडिया घरानों और राजनेताओं की नाराजगी ने आग में घी डालने का काम किया। लेकिन जैसा कि उनके वकील अभिनव चंद्रचूड़ ने सही तर्क दिया है : कानूनी सवाल यह नहीं है कि क्या इलाहाबादिया की भाषा अरुचिकर थी- जिसे हर कोई, जिसमें खुद उनके अपने वकील भी शामिल हैं, मानते हैं कि यह थी- बल्कि यह है कि क्या यह भारतीय कानून के तहत एक आपराधिक जुर्म बनता है।

हालांकि, अदालत ऐसे सूक्ष्म अंतरों पर विचार करने के मूड में नहीं दिखी। सुनवाई के पूरे समय, इसने स्पष्ट रूप से अपनी नाराज़गी व्यक्त किए रखी, इलाहाबादिया द्वारा बरती भाषा को 'गंदी', 'विकृत' और इसे इलाहाबादिया के दिमाग से निकली 'उल्टी' तक बताया। एक बिंदु पर, न्यायाधीश ने वकील चंद्रचूड़ से पूछा - 'क्या आप इस तरह की भाषा का बचाव कर रहे हैं?' हालांकि, यह सवाल भले ही जुमला हो, लेकिन बचाव पक्ष के वकील की भूमिका को मूलतः गलत समझने की तरफ इशारा करता है - बात वकील की अपने मुवक्किल के बोलों से सहमत होने या न होने की नहीं बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि गलीज से गलीज व्यक्ति तक को भी कानून के तहत उचित सुनवाई का मौका मिले।

सर्वोच्च न्यायालय नैतिकता का संरक्षक नहीं है। इसका प्राथमिक कर्तव्य संवैधानिक अधिकारों को बनाए रखना है, जिसमें अभिव्यक्ति की आज़ादी और व्यक्तिगत स्वतंत्रता भी शामिल है। लोकलुभावन भाषण देने लिए अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की सुरक्षा जरूरी नहीं है। संवैधानिक संरक्षण की जरूरत केवल नागवार, अलोकप्रिय अभिव्यक्ति पर लागू होती है, जब इसको लेकर मुकदमा चले।

चंद्रचूड़ ने कानूनी सिद्धांतों पर ध्यान पुनः केंद्रित रखने के प्रयास में अपूर्व अरोड़ा मामले में दिए फैसले का हवाला दिया, जिसमें कहा गया था कि गाली-गलौज अपने आप में अश्लीलता नहीं है। उस मामले में न्यायालय ने फैसला सुनाया था कि इम्तिहान यह है कि क्या कोई कथन लम्पटता में आता है और उस सीमा को पार करता हो कि आपराधिक अश्लीलता बन जाए।

लेकिन अदालत पर इसका कोई असर नहीं हुआ और इसने पूछा, 'यदि यह अश्लीलता नहीं है, तो फिर अश्लीलता क्या है?' न्यायालय नैतिक शून्यता में काम नहीं करते, लेकिन उन्हें नैतिकता पर निजी धारणा को कानूनी तर्क पर हावी भी नहीं होने देना चाहिए। यह पूछकर कि क्या अरोड़ा मामला आपको 'जो चाहे बकने का लाइसेंस देता है', न्यायालय ने शालीनता को लेकर अपनी व्यक्तिगत समझ को मुक्त अभिव्यक्ति की सुरक्षा से अलग रखने में अनिच्छा को दर्शाया है।

यह नोक-झोंक मुझे अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति पॉटर स्टीवर्ट द्वारा जैकोबेल्लिस बनाम ओहायियो राज्य (1964) मामले में अश्लीलता पर अपनी निजी धारणा की अंतिम सीमा के इम्तिहान को लेकर लिखे गए शब्दों की याद दिलाती है। 'प्रस्तुत मामले में पेश सामग्री अश्लील क्यों नहीं है', इसकी व्याख्या करते हुए स्टीवर्ट ने लिखा 'आज मैं उन सामग्रियों की किस्मों को परिभाषित करने का प्रयास और नहीं करूंगा, जिन्हें संक्षेप में मैं ठेठ यौन-सामग्री की परिधि में गिनता हूं और शायद मैं कभी भी समझदारी से ऐसा करने में सफल नहीं हो पाऊं। लेकिन जब मैंने इसको देखा, तो मुझे लगता है कि मामले में प्रस्तुत रील वैसी नहीं है।' इस पर स्टैंड-अप कॉमेडियनों ने चुटकी ली कि अश्लीलता वही, जो किसी जज को उत्तेजित करे। भारतीय कॉमेडियनों को नेक सलाह है कि वे यह न कहें कि अश्लीलता वही, जो किसी जज को नाराज़ करे।

सुनवाई का सबसे परेशान करने वाला पहलू यह था कि अदालत ने इलाहाबादिया के खिलाफ़ मौत की धमकियों को लगभग खारिज कर दिया। जब चंद्रचूड़ ने कहा कि उनके मुवक्किल को धमकियां मिल रही हैं, तो इस पर न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने टिप्पणी की, 'यदि आप इस तरह की बातें कहकर सस्ती लोकप्रियता हासिल करने की कोशिश कर सकते हैं, तो ऐसे अन्य लोग भी हो सकते हैं जो धमकियां देकर सस्ती लोकप्रियता हासिल करना चाहते हों'।

इलाहाबादिया के शब्द चाहे कितने भी आहत करने वाले क्यों न हों, मौत की धमकियों को कभी भी 'इसी सज़ा का हकदार है' वाले तयशुदा हश्र के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए न ही देखा जा सकता है। अंततः खंडपीठ ने एक नोटिस जारी किया और प्रतिवादियों से जवाब मांगा, इलाहाबादिया को अंतरिम राहत प्रदान की गई। आखिरकार, यह सही निर्णय रहा। हालांकि अदालत ने अनिच्छा से सही, यह माना कि बोलों की आपत्तिजनक प्रकृति के बावजूद, कानूनी तौर पर यह आपराधिक श्रेणी में तब होता यदि तीव्रता का स्तर और ज्यादा होता।

इंडियाज गॉट लेटेंट और इस शो की प्रकृति - जो केवल भुगतान करके देखा जा सकने वाला वयस्क चैनल शो है- इस संदर्भ के बारे में एक महत्वपूर्ण बिंदु को उठाती है। ऐसा लगता है कि न्यायालय को भान है कि जिस क्लिप के कारण आक्रोश बना, वह संदर्भ (वयस्क चैनल) से बाहर लीक होने के बाद हुआ, लेकिन इस जानकारी ने सुनवाई में बहुत कम भूमिका निभाई। जबकि इसका संज्ञान लिया जाना चाहिए था। मुक्त अभिव्यक्ति के मामलों में संदर्भ बहुत गहरा मायने रखते हैं, और न्यायालयों को भीड़ द्वारा हांके गए नैतिक वितंडे से सावधान रहना चाहिए।

इलाहाबादिया मामला न्यायालयों द्वारा नाजुक संतुलन बनाए रखने की दरकार की याद दिलाता है। न्यायाधीश भी इंसान हैं। अन्यों की तरह उन्हें भी क्षोभ, गुस्सा और नैतिकता पर चोट महसूस हो सकती है। लेकिन उनका काम इन भावनाओं में बहकर नहीं चलता- उन्हें निर्लिप्त होकर कानून को निष्पक्ष रूप से बनाए रखना है, खासकर जब जनता की राय कुछ और मांग करे।

अंतरिम राहत प्रदान करते हुए, सर्वोच्च न्यायालय ने आखिरकार वही किया जो वह संवैधानिक रूप से करने के लिए बाध्य था- व्यक्तिगत स्वतंत्रता की रक्षा। लेकिन जिस ढंग से उसने यह किया, वह एक मिश्रित संकेत देता है - न्यायपालिका आपकी रक्षा करेगी, लेकिन आपको शर्मिंदा करने के बाद, और यह स्पष्ट करने के बाद कि आपके अधिकारों का सम्मान अनिच्छा से किया जा रहा है, वह भी आप पर अपनी नैतिक श्रेष्ठता स्थापित करने के बाद।

संवैधानिक न्यायालय इस तरह से काम नहीं करते। सर्वोच्च न्यायालय की मौजूदगी इस वास्ते है कि अलोकप्रिय, आपत्तिजनक और यहां तक कि विकृत लोगों को भी अपने बचाव का मौका मिल सके- क्योंकि लोकतंत्र में अभिव्यक्ति की आज़ादी का सार यही है। उम्मीद है कि जैसे-जैसे यह मामला आगे बढ़ेगा, न्यायालय को याद रहेगा कि उसकी भूमिका समाज को अश्लीलता से मुक्त करने की नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि नैतिकता नहीं, कानून ही उसका मार्गदर्शक सिद्धांत बना रहे।

(साभार : लेखक सर्वोच्च न्यायालय में वरिष्ठ अधिवक्ता हैं।)

विदेशों में हिन्दू मन्दिरों पर हमले दुर्भाग्यपूर्ण

■ ललित गर्ग

खालिस्तानी अलगाववादियों से जुड़े कुछ अराजक तत्वों ने एक बार फिर अमेरिका में कैलिफोर्निया स्थित स्वामी नारायण मंदिर पर हमला किया है, हिन्दुओं वापिस भारत जाओ जैसे आपत्तिजनक संदेश लिखकर मंदिर को क्षति पहुंचायी गई है। हिन्दू मन्दिरों एवं आस्था पर बार-बार हो रहे ये हमने दुर्भाग्यपूर्ण एवं शर्मनाक है। आतंक फैलाने की मंशा से मंदिरों पर हमले की ऐसी घटनाओं का बार-बार होते रहना चिन्ता का सबब है। ऐसे पृथकतावादी तत्व हिंदुओं के खिलाफ विषवमन करके अपनी राजनीति चमकाना चाहते हैं एवं दवाब बनाना चाहते हैं। भारतीय सांझा संस्कृति में मिलजुलकर रहने वाले समाजों को विभाजित करके घृणा, नफरत एवं द्वेष उत्पन्न करने वाले तत्वों को न केवल बेनकाब करने की जरूरत है बल्कि उन्हें नेस्तनाबूंद किया जाना चाहिए। बात केवल खालिस्तानी अलगाववादियों की नहीं है, मुस्लिम आतंकवादी भी विभिन्न देशों में हिन्दू धर्म, मन्दिर, आस्था एवं संस्कृति पर ऐसे ही हमले करके दहशत फैला रहे हैं। हिन्दू समुदाय नफरत के खिलाफ मजबूती से खड़ा है, वह कभी भी नफरत को जड़ नहीं जमाने देंगा। लेकिन अमेरिका, ब्रिटेन व कनाडा सरकारों द्वारा ऐसे मामलों की अनदेखी और दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई न करना विडम्बनापूर्ण एवं चुनौतीपूर्ण है। भारत सरकार को भी कड़े कदम उठाते हुए सख्त संदेश देना चाहिए।

अमेरिका के अलग-अलग राज्यों में हिंदू मंदिरों को निशाना बनाए जाने को खालिस्तान समर्थकों से जोड़कर देखा जा रहा है। दक्षिण कैलिफोर्निया के चिनो हिल्स इलाके में स्थित मंदिर की दीवारों पर भारत विरोधी नारे लिखे गए अरैर मन्दिर को क्षति पहुंचाई गयी। माना जा रहा है कि खालिस्तान जनमत संग्रह से पहले साजिश के तहत ये हमला किया गया है। कुछ दिन पहले न्यूयार्क में भी स्वामीनारायण मंदिर पर भी हमला हुआ था। 25 सितंबर को कैलिफोर्निया के सेक्रामेंटो स्थित स्वामीनारायण मंदिर को भी निशाना बनाया गया था, तोड़फोड़ की गई और उस पर आपत्तिजनक संदेश भी लिख दिए गए हैं। आपत्तिजनक यह है कि अमेरिका, ब्रिटेन व कनाडा में सक्रिय ऐसे तत्वों को इन देशों की सरकारों द्वारा राजनीति के चलते खुला समर्थन देना एवं अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर प्रश्रय दिया जाना बर्दाश्त से बाहर होता जा रहा है, कब तक खामोश रहा जाये? कैलिफोर्निया में स्वामीनारायण मंदिर पर हुई घटना से पहले लंदन में विदेश मंत्री एस जयशंकर के गाड़ी के सामने खालिस्तान समर्थकों ने प्रदर्शन किया था, जिसे सामान्य घटना नहीं माना जा सकता। जो खालिस्तान समर्थक विदेश मंत्री के काफिले तक कूद गया, वह सुनियोजित ढंग से हमला

भी कर सकता था। निश्चित तौर पर यह ब्रिटिश पुलिस की कोताही एवं लापरवाही है। उस समय खालिस्तानी उग्रवादी ने भारतीय राष्ट्रीय ध्वज 'तिरंगे' का भी अपमान किया।

विडंबना यह है कि अमेरिका, ब्रिटेन व कनाडा के साथ पाकिस्तान, बांग्लादेश की सरकारें ऐसे हमलों व मंदिरों को अपवित्र करने, उनको नुकसान पहुंचाने, अराजक माहौल खड़ा करने की घटनाओं को अभिव्यक्ति की आजादी के दायरे में रखकर आंखें मूंद लेती हैं या कुछ देश कट्टरतावाद के चलते उन देशों के अल्पसंख्यक समुदायों पर तरह-तरह के हमले होने देती है। यह विडम्बना ही है कि जब दूसरे देशों में उनके धर्म के लोगों के पूजा स्थलों पर हमले होते हैं तो उसे धार्मिक आजादी व मानवाधिकारों का संकट बताने लगते हैं, फिर हिन्दू मन्दिरों एवं आस्था पर हो रहे ऐसे हमलों को लेकर दोहरी मानसिकता एवं दोहरा मापदण्ड क्यों? क्यों भेदभावपूर्ण मानसिकता है? निश्चित रूप से ऐसे ही रवैये से भारत के साथ इन देशों के संबंधों में खटास आती है। ऐसे ही अलगाववादियों के कृकृत्यों व कनाडा सरकार के अलगाववादियों को संरक्षण देने के चलते ही दोनों देशों के संबंध सबसे खराब दौर में पहुंचे हैं। बांग्लादेश में हिन्दुओं पर हो रहे हमलों के कारण ही दोनों देशों के संबंध बिगड़ चुके हैं। आतंक से जो जन्मती है, वह संस्कृति नहीं होती है, उसमें पाशविकता होती है, उसमें जानवर विद्यमान होते हैं। ऐसे व्यक्ति, संगठन एवं देश किसी के प्रिय नहीं हो सकते, वे मानवता को त्राण नहीं, संत्रास देते हैं।

भारतीय विदेश मंत्रालय ने इस तरह की कुत्सित कोशिशों की तीव्र निंदा एवं भर्त्सना की है, सवाल यह उठता है कि जब ऐसी आजादी किसी सभ्य समाज के अहसासों से खिलवाड़ करे और दूसरों की धार्मिक आजादी का अतिक्रमण करने लगे तो क्या उनके खिलाफ कार्रवाई नहीं करनी चाहिए? दरअसल, ये घटनाक्रम इन देशों के दोगले मापदंड उजागर करते हैं। दूसरे देशों में सांप्रदायिक असहिष्णुता और कथित भेदभाव के आंकड़े जारी करके दबाव बनाने वाले तथाकथित सभ्य देश अपने क्रियाकलापों से बेनकाब हो रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में अमेरिका में करीब एक दर्जन मंदिरों को अपवित्र करने की कुत्सित कोशिश हुई, लेकिन ऐसे तत्वों के खिलाफ दिखावे के लिये भी कार्रवाई नहीं की गई। किसी हमले की जांच भी नहीं हुई। जबकि प्रत्येक संप्रदाय की धार्मिक आजादी की रक्षा करना अमेरिकी सरकार का नैतिक दायित्व है। अमेरिका खुद को धर्मनिरपेक्षतावादी एवं मानवाधिकार का हिमायती मानता है। आखिर अमेरिका जैसे शक्तिसंपन्न राष्ट्र में मंदिरों को सुरक्षा क्यों नहीं मुहैया करायी जाती? बीते साल भी कनाडा में हिंदू महासभा के मंदिर में हमला करके बच्चों व महिलाओं तक को पीटा गया था। लेकिन ट्रूडो सरकार खामोश रही। लेकिन जैसी करनी वैसी भरनी की कहावत के अनुसार ट्रूडो सरकार बिखर गयी, धराशायी हो गयी। निश्चित रूप से पश्चिमी देशों की सरकारों को अभिव्यक्ति की आजादी की सीमा व गरिमा तय करनी होगी।

लगातार हो रहे इन हमलों के बाद भी हिन्दू समुदाय शांति और करुणा की ही बात करता आया है। पर एक बड़ा सवाल ये है कि आखिर कब तक यह सिलसिला चलेगा? क्या अमेरिकी एवं ब्रिटेन प्रशासन इस पर कोई ठोस कदम उठाएंगे? हाल ही में ब्रिटिश गृह मंत्रालय की रिपोर्ट में ऐसे अतिवादियों के उभार को ब्रिटिश कानून व्यवस्था के लिये खतरा बताया गया था। आतंक किसी एक देश नहीं, सम्पूर्ण मानवता के लिये गंभीर खतरा है। लेकिन इसके बावजूद ऐसे मामलों की अनदेखी की जा रही है। निश्चित तौर पर छोटी घटनाओं को नजरअंदाज करने से कालांतर में बड़ी हिंसक गतिविधियों को ही प्रश्रय मिलता है। प्रतिबंधित आतंवादी संगठन सिख फॉर जस्टिस कनाडा सहित कई देशों में लगातार भारत विरोधी अभियान चला रहा है। 17 नवंबर 2024 को न्यूजीलैंड में भी ऐसा ही अभियान चलाने की कोशिश की गई और भारत विरोधी नारे लगाते हुए खालिस्तान का झंडा लहराया गया। लेकिन न्यूजीलैंड के नागरिकों ने इसका विरोध किया और खालिस्तान समर्थकों के मनसूबों को सफल नहीं होने दिया।

भारत दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थ-व्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। भारत के बढ़ते कदमों को रोकने के लिये आतंकी संगठन और दुश्मन देश आतंक का सहारा ले रहे हैं। सरकार की नीति, सशक्त सुरक्षा व्यवस्था, सरकार की सतर्कता के चलते ही आतंकवादी संगठन एवं आतंकवादी अपने मनसूबों में कामयाब नहीं हो पा रहे हैं। अधिक सावधान एवं सख्त होने की अपेक्षा है, अन्यथा भारत की सारी प्रगति को आतंकवाद खा जायेगा। क्योंकि लगातार असफलता से खीझे एवं बौखलाये हुए आतंकी कोई-न-कोई नई और अधिक खौफनाक आतंकी घटना को अंजाम देने में जुटे रहते हैं, हमारी सुरक्षा एजेंसियों को अधिक सतर्कता बरतने की अपेक्षा है। दुनिया के शक्तिसंपन्न राष्ट्र भी मंथन करें आतंक रूपी विष और विषमता को समाप्त करने का, शांतिपूर्ण दुनिया निर्मित करने का।'

(साभार : यह लेखक के निजी विचार हैं)

ग्रीष्मकालीन मूंग बनी तीसरी फसल का विकल्प, मंत्री कंषाना की अपील

कीटनाशक और नींदानाशक का उपयोग फसल में कम से कम करें

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री एदल सिंह कंषाना ने किसानों से अपील की है कि वे ग्रीष्मकालीन मूंग फसल में कीटनाशक एवं नीदानाशक का उपयोग कम से कम करें। कृषि मंत्री श्री कंषाना ने बताया कि मूंग फसल में अत्यधिक रासायनिक दवाओं का दुष्प्रभाव मानव स्वास्थ्य, मृदा स्वास्थ्य, जल एवं पर्यावरण पर सामने आया है। ऐसे में वैज्ञानिकों/विशेषज्ञों की ओर से कई तरह की बीमारियां जन्म लेने की आशंका व्यक्त की गई हैं। उन्होंने कहा कि किसान भाई मूंग फसल की पैदावार के लिए ऐसा चक्र अपनाएं, जिससे ग्रीष्मकालीन मूंग प्राकृतिक रूप से अपने समय पर पक सके।

कृषि मंत्री ने कीटनाशकों के अत्यधिक उपयोग पर कहा कि यद्यपि मूंग की पैदावार से प्रदेश में किसानों की आय में वृद्धि हुई है। किसान इसे जल्दी पकाने के लिए कई बार नीदानाशक दवा (पेराक्वाट डायक्लोराइड) का छिड़काव करते हैं। इस दवा के अंश मूंग फसल में कई दिनों तक विद्यमान रहते हैं, जो मानव स्वास्थ्य एवं पशु-पक्षियों के लिए अत्यंत हानिकारक हैं।

कंषाना ने बताया कि कृषि एवं स्वास्थ्य विशेषज्ञों, पर्यावरणविद् और कृषि सुधार के क्षेत्र में कार्य कर रहे संगठनों ने अनुसंधान रिपोर्ट के आधार पर मूंग फसल में आवश्यकतानुसार ही कीटनाशकों के उपयोग का सुझाव दिया है। राज्य सरकार जैविक खेती को विभिन्न योजनाओं के माध्यम से प्रोत्साहित कर रही है एवं किसानों को जैविक खेती के लिए प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है।

प्रदेश के नर्मदापुरम, हरदा, सीहोर, नरसिंहपुर, बैतूल, जबलपुर, विदिशा, देवास और रायसेन में सहित कई जिलों में ग्रीष्मकालीन मूंग किसानों के लिए तीसरी फसल का अच्छा विकल्प बन चुकी है। वर्तमान में मूंग की फसल 14.39 लाख हेक्टेयर रकबे में लगाई जा रही है और इसका उत्पादन 20.29 लाख मीट्रिक टन है। प्रदेश में ग्रीष्मकालीन मूंग का औसत उत्पादन 1410 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर है।

नकली बीज और नरवाई जलाने पर करें सख्त कार्रवाई

किसान कल्याण मंत्री एदल सिंह कंषाना ने कहा है कि नकली बीज विक्रय और किसानों द्वारा गेहूं एवं चने की फसल की नरवाई खेतों में जलाने पर सख्त कार्रवाई की जाये। मंत्री श्री कंषाना ने अधिकारियों को यह निर्देश विभागीय समीक्षा बैठक के दौरान दिए।कंषाना में कहा कि खरीफ 2025-26 के लिए सोयाबीन, कपास और मक्का के बीज की कार्य योजना तैयार कर ली जाए। केंद्रीय योजनाओं के प्रदान किए गए लक्ष्य की शत-प्रतिशत पूर्ति सुनिश्चित की जाए। प्रदेश में गेहूं के लिए स्थापित किए गए उपार्जन केंद्रों पर किसानों की बैठने एवं पानी की उचित व्यवस्था की जाए।मिट्टी परीक्षण प्रयोगशालाओं का बेहतर संचालन किया जाए और किसानों के खेतों की मिट्टी का अधिकाधिक परीक्षण सुनिश्चित करें। फसल बीमा योजना का लाभ लेने के लिए किसानों को जागरूक भी किया जाए। बैठक में इंदौर संभाग के संयुक्त संचालक कृषि और जिलों के उप संचालक कृषि एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

कायस्थ महासभा ने की चित्रगुप्त घाट पर सफाई

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

अखिल भारतीय कायस्थ महासभा की यह एक अच्छी पहल है और मैं इसके लिए उनका साधुवाद करता हूं। मां नर्मदा हमारी जीवन दायिनी है। इसको स्वच्छ रखना हम सभी का कर्तव्य है। प्रधानमंत्री भी स्वच्छता अभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं। समाज का यह कार्य सराहनीय है। यह बात अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के साफ सफाई अभियान में रविवार को चित्रगुप्त घाट पर जिला पंचायत सदस्य माखन नगर तहसील हाकम सिंह गुर्जर ने कहीं। रविवार को श्री गुर्जर इस साफ-सफाई अभियान में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि सभी समाज को इस अभियान में शामिल होना चाहिए। नर्मदा केवल प्रदेश ही नहीं देश भर की जीवनदायनी है और हमें स्वच्छ और साफ रखना चाहिए। इस मौके पर नगर पालिका उपाध्यक्ष अभय वर्मा, ज्योति वर्मा, शीतल श्रीवास्तव, सुमन वर्मा, शीतल श्रीवास्तव, सारिका सक्सेना, प्रीति खरे, मंजू श्रीवास्तव, प्रदीप श्रीवास्तव, सी बी खरे, केशव देव वर्मा लालदा प्रसाद, अदित्य सहित अन्य लोग मौजूद थे।

साफ सफाई अभियान के दौरान नगर पालिका उपाध्यक्ष और अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के पदाधिकारी अभय वर्मा ने कहा कि सफाई अभियान में सभी समाज को आगे जाकर योगदान देना चाहिए। हमारी मां नर्मदा को साफ सुथरा रखना, निर्मल रखना हमारा कर्तव्य है। हम पिछले 6 माह से मां नर्मदा की साफ सफाई करते हैं। समाज के महिला पुरुष, बच्चे सभी इस कार्य में लगे हैं। मां नर्मदा को स्वच्छ रखना हमारा कर्तव्य है। इस मौके पर शीतल श्रीवास्तव ने कहा कि घाटों सहित नगर को भी हमें पवित्र रखना है साफ सुथरा रखना है। सभी इस अभियान से जुड़े और हर रविवार समय निकालकर आएं और साफ सफाई करें।

एनपी स्पोर्ट्स सोशल सोसाइटी मप्र के प्रदेश अध्यक्ष पद पर मुकेश दुबे की हुई नियुक्ति

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

प्रदेश में खेल के क्षेत्र में नए आयाम को बढ़ावा देने के लिए एन पी स्पोर्ट्स सोशल सोसाइटी मध्य प्रदेश द्वारा नई पहचान स्थापित करने के लिए प्रदेश संगठन का विस्तार किया है। जिसमें सभी की सहमति से सर्व विप्र महासभा एवं प्रेस क्लब के अध्यक्ष पं मुकेश दुबे को एनपी स्पोर्ट्स सोशल सोसाइटी मध्यप्रदेश का प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया है।

प्रदेश अध्यक्ष पद पर श्री दुबे की नियुक्ति के साथ ही संगठन का विस्तार भी किया गया है।जिसमें वंदना रघुवंशी को प्रदेश उपाध्यक्ष ,प्रदेश सचिव पद पर नीरज बहोत्तरा ,प्रदेश कोषाध्यक्ष पद पर महेंद्र पचलानिया,प्रदेश सहसचिव पद पर दीपक पचलानिया एवं प्रदेश सदस्य जयसिंग भदौरिया,प्रदेश सदस्य लक्ष्मण गोया की नियुक्ति होकर जिम्मेदारी सौंपी गई है। प्रदेश अध्यक्ष पद पर नियुक्ति मिलने पर श्री दुबे ने बताया कि अब एनपी स्पोर्ट्स सोशल सोसाइटी द्वारा प्रदेश के सभी जिलों में भी कार्यकारिणी गठन किया जाएगा और अतिशीघ्र नर्मदापुरम में हॉकी की प्रदेश स्तर की प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया जाएगा। जिसकी तिथि अतिशीघ घोषित की जाएगी। इस नियुक्ति पर सभी खेलप्रेमी शुभचिंतक ने शुभकामनाएं दी हैं। जिसमें वरिष्ठ चिकित्सक डॉ अतुल सेठा,रोहित फौजदार, एड राजीव दुबे, एड विश्वास सोनी,विजय दिवालिया,पवन सिंह,दीपक पांडे,गोविंद कहार,पंकज शुक्ला, दीपेश दुबे,शैलेन्द्र तिवारी,संतोष पाल,मुकेश यदुवंशी मनमोहन यादव,रत्नेश दुबे,विवेक तिवारी इत्यादि शामिल हैं।

पं. रामलाल शर्मा स्मृति समारोह में पांच दिवसीय मानस कोकिला कृष्णा देवी मिश्रा का प्रवचन आज से

नर्मदापुरम। स्थानीय सत्संग चौक सेठानी घाट पर आज से पांच दिवसीय पं. रामलाल शर्मा स्मृति समारोह का शुभारंभ हो रहा है। समारोह के 48 में वर्ष में भागलपुर (बिहार) से मानस कोकिला कृष्णा देवी मिश्रा प्रवचन हेतु पधार चुकी है। इस वर्ष आपके प्रवचन का केंद्रीय विषय विभीषण शरणागति है जिस पर आप अपने पांच दिवसीय प्रवचनों को केंद्रुत होगें।अपनी मधुर वाणी में मानस की चौपाइयां एवं भजनों के सर मधुर गायन के माध्यम से आप नर्मदापुरम के धर्म प्रेमियों के मध्य अपना विशिष्ट स्थान रखती हैं। आपके द्वारा कार्यक्रम के अंत में गाए जाने वाला चयन पद नर्मदापुरम के धर्म प्रेमियों में अत्यंत लोकप्रिय है। नर्मदापुरम वासियों के लिए यह अत्यंत गौरव का विषय है कि रामचरितमानस की ऐसी सुविख्यात व्याख्याकार प्रवचन हेतु पधार रही हैं। आयोजन समिति द्वारा बताया गया कि समारोह से जुड़ी समस्त तैयारियां पूर्ण हो चुकी है।

ब्राह्मण समाज ने किया होली मिलन समारोह आयोजित, गुलाल और फूलों से खेली होली

गंजबासौदा, दोपहर मेट्रो

ब्राह्मण समाज द्वारा ब्राम्हण धर्मशाला में होली मिलन समारोह आयोजित किया गया। जिसमें फूल और गुलाल से समाज के लोगों ने खूब होली खेली। इस अवसर पर खूब गुलाल उड़ाई गई एवं पुष्प की पंखड़ियां के साथ होली मिलन कार्यक्रम संपन्न हुआ।

कलाकारों द्वारा फाग के गीत व भजनों की शानदार प्रस्तुति भी दी गई। कार्यक्रम का शुभारम्भ भगवान परशुराम व वामन देव के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर विधि विधान से पूजन अर्चन व स्वस्तिवाचन के साथ प्रारंभ हुआ। ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष संतोष शर्मा ने स्वागत भाषण व धर्मशाला निर्माण के लिए रूपरेखा तैयार की। उन्होंने कहा कि शीघ्र ही भव्य परशुराम भवन बन कर तैयार होगा। और हम भी गर्व से कहेंगे कि हम हमारी धर्मशाला में बैठे हुए हैं यह हमारा भवन होगा यह प्रत्येक ब्राह्मण का भवन होगा। जिसमें हम अपने सभी मांगलिक कार्य भी कर सकेंगे। इस अवसर पर उपस्थित केशव शास्त्री महाराज ने कहा कि ब्राह्मण समाज के हित में अध्यक्ष संतोष शर्मा व उनकी टीम निरंतर अच्छा कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि हमारा सपना था कि हमारी धर्मशाला हो। जो अब पूर्ण होने जा रहा है। इस अवसर पर राजेश तिवारी, डॉक्टर केके तिवारी, मुन्ना लाल शास्त्री, देवेंद्र भार्गव, अभिषेक कृष्ण शास्त्री, ऋतुज एलिया, विपिन तिवारी, पवन रिछारिया, चंद्रशेखर दुवे, आशीष दुवे, प्रकाश मिश्रा, यशवंत दुवे, पिंकू महाराज, गगन दुवे, सुमित मिश्रा सहित अनेक समाज बंधु उपस्थित रहे।

नर्मदा नदी में डूबने से अभिनेष शुक्ला एमआर की मौत, 12 घंटे बाद हर्बल घाट के पास मिला शव

नर्मदापुरम। नर्मदापुरम में होली के दूसरे दिन दोस्तों के साथ नहाने आया एक युवक नर्मदा नदी में डूब गया। पुरानी इटारसी निवासी युवक अभिनेष शुक्ला, प्राइवेट कंपनी में एमआर था। वह अपने दोस्तों के साथ शनिवार शाम हर्बल पार्क घाट नहाने आया था। जिसका शव रविवार सुबह 1 घंटे की सर्चिंग के बाद मिला। नहाने के दौरान वह गहरे पानी में डूब गया। युवक के साथियों ने उसे ढूंढने का प्रयास किया। बाद में सूचना मिलने पर इटारसी से परिजन, होम गार्ड और पुलिस का अमला भी हर्बल घाट पहुंच गया। होमगार्ड के अमले ने रात 10 बजे तक सर्चिंग अभियान चलाया। लेकिन, उसका कुछ पता नहीं चला। रविवार सुबह 6 बजे से फिर से रेस्क्यू शुरू किया गया है। सुबह 7 बजे शव जाल में फंसा, जिसे निकाला गया। बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल लाया गया। दो डॉक्टर की टीम ने पोस्टमार्टम किया। 12 बजे इटारसी में अंतिम संस्कार होगा। जिन दोस्तों के साथ में अभिनेष शुक्ला हर्बल पार्क घाट आया था। पुलिस ने उनसे पूछताछ की, उन्होंने बताया कि हम इटारसी में एक ढाबे पर खाना खाने के बाद नहाने के लिए हर्बल पार्क घाट आएं थे। नहाने के दौरान अभिनेष गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा।

होली मिलन समारोह में गाए फाग के गीत, फूलों से खेली होली

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

गुजराती बाज खेडाबाल ब्राह्मण समाज का होली मिलन कार्यक्रम रविवार को आदि शक्ति दुर्गा मंदिर कोठी बाजार में आयोजित हुआ। इस अवसर पर स्थानीय कलाकार ओपी शर्मा और अशोक दुबे ने फाग गीत गाए और ताल पर संगत आनंद नामदेव ने दी। समाज की सिंधु दुबे ने भी अपनी प्रस्तुति दी। समाजिक जनों ने एक दूसरे को गुलाल लगाकर व पुष्प से होली खेली। इस दौरान समाज के राजकुमार तिवारी, मदन जोशी, सौरभ तिवारी, ओम प्रकाश तिवारी, नरेंद्र भट्ट, संदीप दुबे, अनिल भट्ट, शरद दुबे, हर्ष तिवारी, विपिन तिवारी ओपी तिवारी, उमेश जोशी,ओमप्रकाश भट्ट,हरिनारायण दुबे समाजसेवी प्रकाश तिवारी, केएन त्रिपाठी अशोक दुबे आदि के अलावा अन्य मातृशक्ति मंगला तिवारी, मोनिका दुबे, रेखा तिवारी, रेखा भट्ट, अंजलि दुबे, एकता दुबे, ज्योति तिवारी, सविता जोशी, सीमा दुबे आदि मौजूद रहे।

मेट्रो एंकर यम द्वितीया पर चित्रगुप्त मंदिर में अखिल भारतीय कायस्थ महासभा ने की पूजा,

एक दूसरे को लगाया गुलाल, भारी संख्या में शामिल हुए समाज के लोग

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

शहर के चित्रगुप्त घाट स्थित चित्रगुप्त मंदिर में अखिल भारतीय कायस्थ महासभा द्वारा यम द्वितीया के अवसर पर भगवान श्री चित्रगुप्त की पूजा अर्चन की गई। पंडित संदीप तिवारी द्वारा विधि विधान से चित्रगुप्त भगवान की पूजा अर्चना कराई। दसपक्षता आरती पूजन के बाद महा आरती की गई। प्रसादी वितरण किया गया। भगवान चित्रगुप्त यमराज के सहायक थे और मनुष्यों के कर्मों का लेखा-जोखा रखते हैं। यम द्वितीया पर उनकी पूजा पाठ की जाती है। इस अवसर पर अखिल भारतीय महासभा के जिला अध्यक्ष प्रदीप श्रीवास्तव, कार्यकारी अध्यक्ष ज्योति वर्मा, नगर पालिका उपाध्यक्ष अभय वर्मा, उपाध्यक्ष प्रीती खरे, सचिव सीमा वर्मा, श्रीमती मंजू श्रीवास्तव श्रीमती सारिका सक्सेना, ऊषा वर्मा, राजेंद्र प्रसाद श्रीवास्तव, प्रदीप श्रीवास्तव, अशोक वर्मा,सी बी खरे, केशव देव वर्मा, दक्ष खरे अदिति श्रीवास्तव अनुपमा श्रीवास्तव सहित अखिल भारतीय कायस्थ महासभा की संरक्षक और मंदिर ट्रस्ट संरक्षक मंजू श्रीवास्तव विशेष रूप से उपस्थित थीं। सभी सामाजिक बंधुओं के अलावा अन्य सामाजिक लोग भी भारी संख्या में उपस्थित थे। कार्यक्रम के बाद अखिल भारतीय कायस्थ महासभा ने होली मिलन समारोह का कार्यक्रम भी मंदिर प्रांगण में किया। महिलाओं ने एक दूसरे को गुलाल लगाकर होली की शुभकामना दी।

मंदिर परिसर में खूब उड़ा रंग गुलाल..

भगवान चित्रगुप्त की पूजा पाठ के बाद खूब रंग गुलाल उड़ा। सभी ने एक दूसरे को गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दी। वहीं महिलाओं ने होली से संबंधित कार्यक्रम भी आयोजित किए। इस दौरान अनेक लोग मौजूद थे। सभी लोगों ने एक दूसरे को होली की शुभकामनाएं दी।

भगवान चित्रगुप्त की सामूहिक आरती कर रंग-गुलाल के साथ मनाई होली

रायसेन। रायसेन के भोपाल रोड स्थित भगवान चित्रगुप्त राधा कृष्ण मंदिर में रविवार को कायस्थ समाज ने सामूहिक पूजन किया। कायस्थ महासभा की और से चित्रांश परिवारों ने एकत्रित होकर होली की दूज रविवार शाम को पूजा-अर्चना की। महासभा के अध्यक्ष सूर्य प्रकाश सक्सेना ने बताया कि भगवान चित्रगुप्त न्याय बुद्धि और शिक्षा के प्रतीक हैं।

जिला स्तरीय कंट्रोल रूम का दूरभाष क्रमांक 07592-250663

पेयजल समस्या निवारण प्रकोष्ठ का गठन, कंट्रोल रूम स्थापित

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल संकट की स्थिति निर्मित ना हो खासकर हेण्डपंप और नलजल योजना के माध्यम से जल की आपूर्ति सतत बनी रहें। यदि कहीं हेण्ड पंप व नलजल योजना की मशीनों में खराबी आती है तो अविलम्ब जानकारी प्राप्ति के लिए जिला मुख्यालय के साथ-साथ उपखण्ड मुख्यालयो पर भी कंट्रोल रूम गठित किए गए है ताकि सूचना प्राप्ति के उपरांत अविलम्ब मरम्मत संबंधी कार्य शीघ्र संपादित किया जा सकें।

जिला पंचायत सीईओ औपी सनोडिया ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग के कार्यो की गहन समीक्षा की और उन्होंने हरेक विकासखण्ड स्तर पर एक-एक कंट्रोल रूम गठित कर संचालित करने के निर्देश दिए है इन कंट्रोल रूमों में प्राप्त होने वाली सूचनाओं को पंजीबद्ध कर एक दिवस में ही निराकरण करने की प्रक्रिया क्रियान्वित करने के निर्देश दिए है। जिपं सीईओ सनोडिया ने ग्रीष्मकाल को ध्यानगत रखते हुए हेण्डपंपो के सुधार कार्य प्रभावित ना हो इसके लिए आवश्यक सामग्रियों की पूर्व में ही व्यवस्थाएं सुनिश्चित कराई गई है। पीएचई के ईई संतोष साल्वे ने बताया कि जिला स्तर पर कंट्रोल रूम का दूरभाष क्रमांक 07592-250663 है वहीं कंट्रोल रूम प्रभारी अमित श्रीवास्तव का मोबाइल नम्बर 7999775044 है। कंट्रोल रूम प्रातः दस बजे से सांय छह बजे तक शासकीय अवकाशों में भी क्रियाशील रहेंगें।

अफसरों सौंपी जिम्मेदारी

जिला मुख्यालय के साथ-साथ सभी उपखण्ड मुख्यालयों पर भी कंट्रोल रूम की तर्ज पर अधिकारियों को जबावदेंही सौंपी गई है साथ ही उनके मोबाईल नम्बरों पर पेयजल संबंधी समस्या से सीधे अवगत कराकर समाधान प्राप्त किया जा सकता है। इसके लिए विदिशा उपखण्ड मं सहायक यंत्री अमर दाहिया 9584006571 जिनका कार्यक्षेत्र विदिशा एवं नटेरन रहेगा। जबकि उपयंत्री दीपक शाह 8770649019 को नटेरन का तथा उपयंत्री सुश्री शिखा मेश्राम 9669556160 को विदिशा विकासखण्ड क्षेत्र का दायित्व सौंपा गया है।

ग्यारसपुर विकासखण्ड के लिए सहायक यंत्री प्रताप सिंह ठाकुर 9406609005, उपयंत्री प्रमित राठौर 8516077751 को तथा बासौदा एवं कुरवाई उपखण्ड के लिए सहायक यंत्री अमर दाहिया 9584006571, उपयंत्री एसके कुम्हार 9425640704 को कुरवाई का, उपयंत्री अंजली मोविया 7879225632 एवं उपयंत्री श्रेयांश श्रीवास्तव 7691943817 को बासौदा का हेतु नियुक्त किया गया है।

सिरोंज, लटेरी उपखण्ड के लिए सहायक यंत्री देवीसिंह मर्सकोले 8462891133 को तथा उपयंत्री पुष्पेन्द्र दांगी 9893152066 को दायित्व सौंपा गया है।

कंट्रोल रूम में ड्यूटी पर कार्यरत कर्मचारी निर्धारित समय पर उपस्थित होकर टेलीफोन काल अटेण्ड करेंगे एवं पेयजल समस्या तथा हेण्डपंप खराबी से संबंधित शिकायतें प्राप्त होने पर रजिस्टर्ड में दर्ज करने के उपरांत संबंधित सहायक यंत्री, उपयंत्री को अवगत कराएंगे एवं समय सीमा में निराकरण की कार्यवाही रिपोर्ट प्राप्त कर रजिस्टर में दर्ज करेंगे।

जिला स्तर पर संचालित होने वाले कंट्रोल रूम प्रातः आठ बजे से रात्रि आठ बजे तक सूचनाओं की प्राप्ति कर निराकरण के लिए आवश्यक अधिकारियों को जानकारियां प्रेषित करें। प्रातः आठ बजे से दोपहर दो बजे तक के लिए महेन्द्र विश्वकर्मा 9981026161 को तथा दोपहर दो बजे से रात्रि आठ बजे तक ऋषभ ठाकुर 7697383908 को दायित्व सौंपे गए है।

क्षेत्र में मना रंग महोत्सव दिया एकता का संदेश

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

नगर लटेरी, उप नगर आनंदपुर, में बड़े ही हर्ष के साथ होली महाउत्सव का आयोजन हुआ इस अवसर पर भारत सिंह रघुवंशी ने बताया कि हमारे क्षेत्र में एक दूसरे को रंग- गुलाल लगाकर जय सियाराम एवं राधे कृष्ण के जयकारे के साथ विभिन्न रंगों की बौछार कर , एकता अखंडता एवं सद्भावना का प्रतीक होली महापर्व को सभी वरिष्ठ जान युवा साथियों एवं बच्चों ने बड़े हर्ष एवं उल्लास से एक दूसरे से हाथ मिलाकर, गले मिलकर एवं मिठाईयां खिलाकर सद्भावना का संदेश प्रस्तुत किया एवं क्षेत्र में सुख शांति समृद्धि एवं विकास की ईश्वर से कामना की सभी के जीवन में खुशियों के रंग आनंद के साथ सदैव भरे रहें इन्हीं भावनाओं के साथ पूरे नगर लटेरी , उप आनंदपुर एवं आसपास के क्षेत्रों में सभी ने सद्भावना का प्रतीक होली महापर्व में शांति के साथ एकता एवं विश्वास का प्रस्तुत किया पुलिस विभाग ने सुरक्षा की अच्छी व्यवस्था की एवं शासन, प्रशासन , सफाई कर्मचारी ने क्षेत्र की स्वच्छता पर पूर्ण ध्यान दिया।

दो प्रकरणों में नगद इनाम की घोषणा

पुलिस अधीक्षक रोहित काशवानी द्वारा जारी इनाम उदघोषणा आदेश में उल्लेख है कि थाना पठारी के दर्ज अपराध क्रमांक 234/2024 के फरार आरोपी राजेश कुमार पुत्र मानूजी छाबडा निवासी निकोबास खंडोसन महेसाना, गुजरात एवं ममता पत्नी राजेश पांडे निवासी मोटूकाबास सालासर वाटिका थाना दौलतपुरा जयपुर पश्चिम राजस्थान की सूचना देने वाले को तीन-तीन हजार रूपए प्रत्येक पर इसके अलावा थाना कुरवाई में दर्ज अपराध क्रमांक 22/2025 के फरार आरोपी मनीष चैबे सहायक ग्रेड तीन निवासी गंजबासौदा, हिमांशु अग्रवाल निवासी भोपाल, शिवम् गुप्ता संचालक एकता टेडर्स भोपाल की सूचना देने वालो को दो-दो हजार रूपए प्रत्येक पर नगद राशि इनाम देने की घोषणा की है।

मध्य प्रदेश उच्च शिक्षा विभाग की है ये अनूठी पहल

छात्राओं के लिए व्यक्तित्व विकास, सम्प्रेषण कला एवं कम्प्यूटर स्किल प्रशिक्षण का आयोजन

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विदिशा उच्च शिक्षा, मध्यप्रदेश शासन द्वारा प्रायोजित एवं उद्यमिता विकास केन्द्र मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा आयाजित विदिशा जिले की गंज बासौदा तहसील की छात्राओं के लिए व्यक्तित्व विकास, सम्प्रेषण कला एवं कम्प्यूटर स्किल प्रशिक्षण का आयोजन 24 फरवरी 2025 से किया जा रहा है जो कि 20 मार्च तक संचालित किया जाएगा। कार्यक्रम की अवधि 50 से 60 घंटें निर्धारित है।

स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन योजना अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम उद्यमिता विकास केन्द्र सेडमैप विदिशा द्वारा पूरे मनोयोग से आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम के आयोजन में प्रशिक्षकों का चयन इस ढंग से किया गया है जिससे छात्राएं कार्यक्रम की अवधि पूर्ण होने पर अपने को बदला हुआ पाएंगी। कार्यक्रम का अभी करीब एक सप्ताह का समय शेष है और छात्राएं अपने आप में परिवर्तन महसूस कर रही हैं।

प्रशिक्षण का उद्देश्य है कि प्रशिक्षण में शामिल विद्यार्थियों का व्यक्तित्व विकास हो, उन्हें कम्यूनिकेशन स्किल का समूचित व्यवहारिक और सैद्धांतिक ज्ञान दिया जाए साथ ही ऐसी छात्राऐं जो अब तक कम्प्यूटर का ज्ञान प्राप्त नहीं कर सकी हैं वे कम्यूटर का आवश्यक ज्ञान प्राप्त करें।

कार्यक्रम में व्याख्याता के रूप में कम्यूनिकेशन स्किल के लिए विशेष रूप से भोपाल से आए मंजिल इंस्टीट्यूट ऑफ सॉफ्ट स्किल डेवलपमेंट के डायरेक्टर श्री शैलेन्द्र श्रीवास्तव, संजयगांधी स्मृति स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. मणि मोहन मेहता द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। व्यक्तित्व विकास का प्रशिक्षण सेडमैप जिला समन्वयक विदिशा, दिनेश कुमार गावड़े, डॉ. प्रदन्या करंदीकर और श्री अनुराग जैन द्वारा दिया गया। कम्प्यूटर प्रशिक्षण डायरेक्टर, टारगेट कम्प्यूटर एकेडमी और पेस कम्प्यूटर प्रशिक्षक द्वारा दिया गया। प्राचार्य डॉ. यादव द्वारा प्रशिक्षण सत्र के दौरान छात्राओं को आरम्भ से ही निरंतर प्रोत्साहित किया जा रहा है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. एसके यादव एवं टीपीओ डॉ. जीएल मालवीय द्वारा सक्रिय सहयोग दिया जा रहा है।

उनारसी ताल में पंद्रहवीं तारावीह को कुरान मुकम्मल, किया रोज़ा इफ्तार का आयोजन

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

रमज़ान रहमतों बरकतों इबादत मग़फिरत खैरख्वाही और इनाम का महीना इस्लाम धर्म में रमजान का महीना बहुत ही बरकतों और रहमतों के साथ साथ मगफिरत का महीना है, इसमें ग्राम पंचायत उनारसी ताल में पंद्रहवीं शब तारावीह में कुरान पाक मुकम्मल किया गया कुरान पाक मुकम्मल होने के मौके पर हर वर्ष ग्राम पंचायत उनारसी ताल के सरपंच नसीम गौरी जी द्वारा रोज़ा इफ्तार का आयोजन किया जाता है इस वर्ष भी नसीम गौरी जी द्वारा रोज़ा इफ्तार का आयोजन किया गया सभी लोगों ने एक साथ मिलकर रोजा अफतार किया,, यहां मस्जिद के इमाम हाफिज रेहान साहब ने बताया की रमजान बहुत ही मुबारक महिना हैं ! इस महिने में तीन अशरे होंते हैं पहला अशरा रहमत का रमजान के पहले 10 दिन अल्लाह अपनी मेहरबानी बरसाता है.. दुसरा अशरा में दुआ में अस्तग फिरूल लाहा रब्बी मिन कुल्लि जम्बिव व अतूबु इलैह तर्जुमा मैं अल्लाह से तमाम गुनाहो की बख्सिस मांगता हूँ जो मेरा रव हैं और उसी की तरफ रुजू करता हूँ यानी अल्लाह ही की तरफ लौटना है,, और तीसरा मगफिरत का इस महिने का बीच का हिस्सा अल्लाह की मगफिरत का है,, ये बो दिन हैं जिनमे अल्लाह अपने बन्दों को माफ करने के लिये इंतजार कर रहा होता है.. हर वो बंदा जो सच्चे दिल से माफी मांगता अपने गुनाह का अहसास करता है और अल्लाह से दुआ करता है अल्लाह उसके गुनाह माफ कर दिये जाते हैं। और रमजान का आखरी अशरा हैं इसमें लोगों को जहन्नम से निजात यांनी जहन्नम से आजादी मिलती है, इसके आखरी दस दिन सबसे कीमती हैं,, क्योंकि ये बो दिन हैं अल्लाह अपने बन्दों को दोजख को आग से बचाता है ये वो बक्त हम अल्लाह की खुशी यानी उसकी मेहरबानी पाने के लिये ज्यादा से ज्यादा इबादत करते नमाज पड़ते हैं... कुरान पाक की तिलावत करतें हैं और तरावीह पड़तें हैं, इस मौके पर मोलवी अब्दुल अज़ीम ने बयान करते हुए रमज़ान के पाक महीने में ज़्यादा से ज़्यादा इबादत करने कुरान पाक तिलावत करने रोज़ा तरावीह नमाज़ो का एहतमाम करने के साथ अपने वक्त की कद्र करें ज़्यादा से ज़्यादा वक्त इबादत में कुरान की तिलावत में ज़िक्र व नमाज़ में गुज़ारें मुल्क में भाईचारा अमन व सुकून के लिए दुआ की। इस मौके इरफान गौरी अलीम गौरी शब्बीर गौरी शाहरुख उनारसी कय्यूम खां मुहम्मद खां मारुफ ज़ख्मी सईद खां शाहिद खां हमीद मंसूरी वसीम खान अज़हर खान सहित सभी ग्राम वासी उपस्थित रहे

थाना उनारसी कला पुलिस ने डेढ़ साल से फरार चल रहे स्थाई वारंटी को किया गिरफ्तार

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

पुलिस अधीक्षक विदिशा रोहित काशवानी एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. प्रशांत चौबे के निर्देशन में जिले में लंबित फरारी और स्थाई वारंटों की तामीली जिला पुलिस बल द्वारा लगातार की जा रही है इसी क्रम में आज दिनांक 14/03/25 को अनुविभागीय अधिकारी पुलिस लटेरी अजय मिश्रा के मार्गदर्शन में थाने से होली एवं धुलेंडी में सुरक्षा व्यवस्था ड्यूटी हेतु रवाना हुए थे जो होली ड्यूटी के दौरान में थाना प्रभारी उनि. गोसिया सुल्तान के नेतृत्व में थाना उनारसी

कला पुलिस टीम द्वारा माननीय न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी न्यायालय लटेरी जिला विदिशा से जारी स्थाई वारंट आरसीटी 49/2019, अप.क्र. 71/18 धारा 294,323,506 भादवि में आरोपी के स्थाई वारंटी महेन्द्र पिता संतलाल खैरुआ उम्र 45 साल निवासी ग्राम पठेरा चांडू के टपरा थाना उनारसीकलां हाल निवासी ग्राम दनवास थाना मुरवास जिला विदिशा को ग्राम दनवास थाना मुरवास जिला विदिशा से गिरफ्तार किया। गिरफ्तार शुदा स्थायी वारंटी को पुलिस अभिरक्षा में लेकर थाना आए जो थाना रिकार्ड के अनुसार वारंटी का श्रीमान जेएमएफसी महोदय न्यायालय लटेरी द्वारा आरोपी गिरफ्तारी वारंट आरसीटी नं. 68/2022 धारा 294,323,325 भादवि में होने से आरोपी महेंद्र गेरूआ की फार्मल गिरफ्तारी की जाकर आरोपी को रिमांड ड्यूटी मजिस्ट्रेट माननीय जेएमएफसी न्यायालय सिरोंज जिला विदिशा के समक्ष दिनांक 14/03/25 को पेश किया गया। जहां से श्रीमान जी द्वारा स्थायी वारंटी का जेल वारंट जारी किया गया जो वारंट प्राप्त कर आरोपी को सब जेल लटेरी दाखिल किया गया। विशेष भूमिका थाना प्रभारी उनि, गोसिया सुल्तान, प्रआर. 757 मदनलाल, आरक्षक 85 देवेंद्र शाक्य, आरक्षक 204 मोहित की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

मेट्रो एंकर जंगल के बीच मां दबा रही थी तीन वर्षीय बेटी का गला

रेंजर ने बचाया तो महिला ने रेंजर पर हमलाकर फाड़ी वर्दी, मौके पर पहुंची पुलिस

तेंदूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

जिले के तारादेही मार्ग पर रविवार सुबह एक मां अपनी ही बच्ची का गला दबाकर उसकी जान लेने का प्रयास कर रही थी। बच्ची चीख रही थी उसी दौरान वहां से तारादेही रेंजर देवेन्द्र गुर्जर निकले और उन्होंने यह घटनाक्रम देख अपना वाहन रोका और महिला से बच्ची को छीनकर उसकी जान बचाई। तभी महिला ने रेंजर पर हमला कर दिया उनकी वर्दी फाड़ दी और बाद में मौके से भाग गई। रेंजर ने पूरे घटनाक्रम की जानकारी तेंदुखेडा टीआई को दी वह मौके पर पहुंचे और बच्ची को लेकर तेंदूखेड़ा आए। जहां उसका इलाज कराया अब बच्ची खतरे से बाहर है।

क्या है मामला

एक महिका पिछ्ले कुछ दिनों से चौरई गांव में अपनी बेटी के साथ घूम रही है वह उसके साथ मारपीट करती थी। यह देख चौरई निवासी एक परिवार ने बच्ची को अपने घर रख लिया, लेकिन शनिवार की रात्रि महिला बच्ची को खोजती हुई परिवार के घर पहुंच गई। विवाद करके बच्ची को अपने साथ ले गई और रविवार सुबह धनगौर की टेक पर उसका गला दवा रही थी। उसी समय रेंजर देवेंद्र गुर्जर पहुंच गये और उन्होंने बच्ची को बचा लिया।

महिला कहां से आई है अभी इसकी कोई जानकारी नहीं है। फिलहाल बच्ची तेंदुखेडा थाने में है और स्वस्थ है। एक परिवार भी है जो उस बच्ची को गोद लेने की इच्छा पुलिस के समक्ष कर रहा है।

ये बोले अधिकारी

रेंजर देवेंद्र गुर्जर ने बच्ची की जान बचाई है। उन्होंने बताया कि वह तारादेही से दमोह मीटिंग में जा रहे थे। धनगौर की टेक पर एक महिला बच्ची का दबा रही थी। बच्ची के मुंह से खून निकलता देख मैने अपना वाहन रोका और महिला से बच्ची को छीन लिया। बाद में महिला ने मुझपर हमला कर दिया मेरे कपड़े फाड़ दिए, लेकिन मैंने बच्ची को नहीं दिया ओर तेंदुखेडा टीआई को जानकारी दी टीआई पहुंचे और बच्ची मैने उनके सुपर्द कर दी।

तेंदुखेडा टीआई विजय अहिवाल ने बताया तारादेही रेंजर की सूचना पर में मौके पर पहुंचा था। बच्ची सुरक्षित हैं उसका उपचार भी करा दिया हैं। बाल संरक्षण की टीम और महिला बाल विकास विभाग की टीम दमोह से आ रही है। उसके बाद वही तय करेंगे आगे क्या करना है।

तेंदुखेडा सीबीएमओ डॉक्टर आरआर बागरी ने बताया कि बच्ची को दो युवक और पुलिस कर्मी उपचार के लिए लाये थे। कुछ चोट थी उपचार किया गया है बच्ची अब सुरक्षित है।

ये लेना चाहते हैं गोद

जनप्रतिनिधि दिनेश साहू भी थाने पहुंचे। उन्होंने पूरी घटना की जानकारी लेते हुए बताया कि मुझे बाल संरक्षण आयोज जिला अध्यक्ष दीपक तिवारी द्वारा घटना की जानकारी दी गई थी। में थाने आया बच्ची पूरी तरह सुरक्षित है आगे बच्ची को लेकर जो निर्देश मिलते है आगे उसी आधार पर कार्यवाही होगी।

जिस समय पुलिस बच्ची को लेकर थाने आई उसी समय जानकारी लगते ही एक महिला अपने पति के साथ थाने पहुंची और उसने अपना नाम किरन अहिवाल बताया और कहा यदि पुलिस प्रशासन बच्ची को मुझे देती है तो में उसकी पूरी देखरेख करूंगी। मेरे दो लड़के हैं बच्ची नहीं इसलिए में इसको गोद ले सकती हूं।

आठ साल बाद महिला टीम ने की वापसी

महिला-पुरुष रिले टीम ने चार गुणा 400मी स्पर्धा में ओलंपिक टिकट कटाया

नईदिल्ली, एजेंसी

भारत की महिला और पुरुष रिले टीमों ने बहामास की राजधानी नासाउ में आयोजित वर्ल्ड एथलेटिक्स रिले में शानदार प्रदर्शन करते हुए इस साल होने वाले पेरिस ओलंपिक खेलों के लिए क्वालीफाई कर लिया। दोनों ही टीमें अपने-अपने वर्ग के दूसरे राउंड की हीट में दूसरे स्थान पर रहीं। इस प्रतियोगिता की कुल तीन हीट में शीर्ष पर रहने वाली दो टीमों को पेरिस ओलंपिक का टिकट मिलना था। हालांकि पहले राउंड में दोनों ही भारतीय टीमें क्वालीफाई करने में विफल रही थीं, लेकिन दूसरे राउंड में भारतीय एथलीटों ने अपने प्रदर्शन में सुधार करते हुए ओलंपिक का टिकट हासिल कर लिया। भारतीय महिला चौकड़ी रुपल चौधरी, एसआर पोवाम्मा, ज्योतिका श्री दांडी और सुभा वेंकटेशन ने 03 मिनट 29.35 सेकेंड का समय निकाला और हीट में दूसरे स्थान पर रहीं। जमैका इस हीट में 03 मिनट 28.54 सेकेंड के साथ शीर्ष पर रहा। खास बात यह है कि भारतीय महिला टीम टोक्यो ओलंपिक गेम्स 2020 में क्वालीफाई नहीं कर पाई थी। महिला टीम अब आठ साल बाद ओलंपिक खेलों में चुनौती पेश करेगी।

झटका: रमेश के चोटिल होने से मिक्स्ड रिले से हटना पड़ा

19 भारतीय फील्ड एथलीटों ने अब तक पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया 70 रिले टीमें पेरिस ओलंपिक में चुनौती पेश करने के लिए उतरेंगी 01 अगस्त से पेरिस ओलंपिक में एथलेटिक्स की स्पर्धाएं शुरू होंगी भारत की चार गुणा 400 मीटर मिक्स्ड रिले टीम को इस स्पर्धा से नाम वापस लेना पड़ा। भारतीय टीम के एथलीट रमेश को मांसपेशियों में खिंचाव आने के कारण स्पर्धा से हटना पड़ा। रमेश चार गुणा 400मी मिक्स्ड रिले और पुरुषों की चार गुणा 400 मीटर दौड़ का हिस्सा थे।

9 महीने में 2 आईसीसी खिताब जिताए

रोहित इंग्लैंड दौरे में कप्तानी कर सकते हैं, आईपीएल के बीच में फैसला होगा

नईदिल्ली, एजेंसी

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा जून में होने जा रहे इंग्लैंड दौरे में भारतीय टीम की कप्तानी कर सकते हैं। रोहित की कप्तानी का फैसला आईपीएल के बीच में होगा। टीम इंडिया को वहां 5 मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है।

दरअसल, इस साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया और पिछले न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज हारने के बाद रोहित शर्मा की कप्तानी पर सवाल उठने लगे थे। इतना ही नहीं, चैंपियंस ट्रॉफी के बाद उन्हें कप्तानी से हटाने की बातें भी होने लगी थी। लेकिन, रोहित की कप्तानी में भारतीय टीम ने चैंपियंस ट्रॉफी जीत ली है। रोहित ने पिछले 9 महीने में भारत को दूसरा टाइटल जिताया है।

टेक्निकली रोहित टेस्ट कप्तान हैं। उन्होंने सिडनी टेस्ट में खुद को ड्रॉप किया था। जहां उन्होंने समझाने की कोशिश की कि एक टीम खराब फॉर्म में चल रहे कई बल्लेबाजों के साथ खेलना जारी नहीं रख सकती। ऑस्ट्रेलिया टेस्ट के बाद भारत ने कोई टेस्ट नहीं खेला है,

इसलिए टेस्ट कप्तानी में कोई बदलाव नहीं हुआ है। साथ ही रोहित ने कभी नहीं कहा कि वे टेस्ट नहीं खेलना चाहते हैं। चयन समिति को आईपीएल के दौरान छुट्टी मिलती है। जाहिर है सभी मैचों का टेलीविजन पर प्रसारण होने के कारण उन्हें हमेशा यात्रा करने की जरूरत नहीं होती है। जब तक कि उनके पास कोई खास रणनीति नहीं हो या वे किसी विशेष खिलाड़ी को करीब से देखना नहीं चाहें, वे यात्रा नहीं करते। आईपीएल शुरू होने के बाद इंग्लैंड टूर के लिए खाका किसी भी समय तैयार किया जाएगा। लेकिन कोच गौतम गंभीर का नजरिया अहम होगा। इंडिया के प्रदर्शन से टीम की मजबूती झलकती है। खास तौर पर टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा की जितनी तारीफ की जाए वह कम है। टीम इंडिया ने टूर्नामेंट में पाकिस्तान और ऑस्ट्रेलिया के साथ न्यूजीलैंड को दो-दो बार हराकर खिताब को अपने नाम किया। रोहित बोले मैं वनडे से संन्यास नहीं लेना चाहता। और जून में शुरू होने वाली वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2027 के साथ टेस्ट क्रिकेट का भी हिस्सा रहना चाहता हूं। 20 जून से शुरू होगी भारत- इंग्लैंड टेस्ट सीरीज भारत और इंग्लैंड के बीच 5 मैचों की टेस्ट सीरीज इस साल 20 जून से 4 अगस्त तक खेली जाएगी। यह टेस्ट सीरीज 2025-2027 में होने वाले टेस्ट वर्ल्ड कप का हिस्सा है।

आगामी चुनौती: भारतीय टीम 20 जून से पांच टेस्ट मैचों की सीरीज खेलेगी

इंग्लैंड दौरा जून से, कोच गौतम गंभीर ने शुरू की अभी से तैयारी

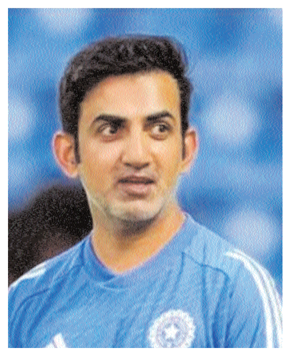

नईदिल्ली, एजेंसी

चैंपियंस ट्रॉफी के बाद भारतीय खिलाड़ी आइपीएल में व्यस्त हो जाएंगे लेकिन मुख्य कोच गौतम गंभीर इंग्लैंड के साथ जून में शुरू होने वाली पांच टेस्ट मैचों की सीरीज की तैयारियों में जुट गए हैं। बुधवार को प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार, टेस्ट सीरीज से पहले कोच गौतम गंभीर इंडिया-ए टीम के इंग्लैंड दौरे पर जाएंगे। इस सीरीज की शुरुआत 20 जून से होगी और यह दौरा 31 जुलाई को खत्म होगा। काबिलेगौर है कि इस सीरीज के साथ आइसीसी टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 की शुरुआत होगी और इस सर्कल में भारत की यह पहली सीरीज होगी।

इंडिया-ए संग जाने वाले पहले कोच होंगे : गौतम गंभीर यदि इंडिया-ए टीम के साथ इंग्लैंड दौरे पर जाते हैं तो वह ऐसा करने वाले भारतीय सीनियर टीम के पहले मुख्य कोच होंगे। इससे पहले, कभी ऐसा नहीं हुआ कि भारतीय क्रिकेट टीम का मुख्य कोच इंडिया-ए टीम के साथ किसी दौरे पर गया हो। गौरतलब है कि पिछले कुछ सालों से भारतीय टीम जब भी टेस्ट सीरीज खेलने के लिए विदेश जाती है, उससे पहले इंडिया-ए टीम भी उस देश में सीरीज खेलने जाती है। कई बार खराब फॉर्म से जूझ रहे सीनियर खिलाड़ी भी इंडिया-ए टीम के लिए खेलते हैं।

इस कारण लिया फैसला : रिपोर्ट के तहत, गौतम गंभीर इंडिया-ए टीम के साथ इसलिए दौरे पर जाना चाहते हैं ताकि वह रिजर्व पूल के लिए अच्छे खिलाड़ियों का चुनाव कर सकें। गंभीर का मानना है कि इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में वाइल्डकार्ड से आना वाला खिलाड़ी ट्रंप कार्ड भी साबित हो सकता है। बोर्ड के साथ की थी बैठक सूत्रों के मुताबिक, गौतम गंभीर ने ऑस्ट्रेलिया दौरे से आने के बाद बीसीसीआइ के अधिकारियों के साथ बैठक करके इस बारे में बातचीत की थी। उन्होंने इंडिया-ए टीम के साथ जाने की अपनी योजना को बताया, जिसे बीसीसीआइ ने मंजूर कर लिया।

टेनिस: आंद्रे रुबलेव बने मैड्रिड ओपन के नए चैंपियन

रूसी खिलाड़ी ने पुरुष एकल के फाइनल में कनाडा के फेलिक्स ऑगर अलियासिमे को दी मात

मैड्रिड, एजेंसी। रूस के आंद्रे रुबलेव ने यहां पुरुष एकल का मैड्रिड ओपन का खिताब अपने नाम किया। 2023 मोंटे कार्लो मास्टर्स चैंपियन रुबलेव का यह दूसरा मास्टर्स 1000 खिताब है। विश्व के छठे नंबर के खिलाड़ी ने फाइनल में कनाडा के फेलिक्स ऑगर अलियासिमे को 4-6, 7-5, 7-5 से हराया। वहीं फाइनल में हारने के बावजूद फेलिक्स विश्व रैंकिंग में शीर्ष 20 में शामिल हो जाएंगे।

मेट्रो बाजार

मुद्रास्फीति : मप्र में कम, केरल-छत्तीसगढ़ में अधिक बढ़ी महंगाई

नईदिल्ली, एजेंसी

अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर सरकार को बड़ी राहत मिली है। खाने-पीने की चीजें, सब्जियों और प्रोटीन-वाले प्रोडक्ट्स की कीमतों में नरमी आने से फरवरी में खुदरा महंगाई बढ़ने की दर घटकर 3.61 फीसदी पर आ गई, जो जनवरी में 4.26 फीसदी बढ़ी थी। यह 7 महीने का सबसे निचला स्तर है। आनाज सहित दाल और मसाले की महंगाई से कुछ राहत मिलने के कारण खाद्य महंगाई दर भी फरवरी में घटकर 3.75 फीसदी पर आ गई, जो जनवरी में 5.97 फीसदी पर थी। सांख्यिकी मंत्रालय के मुताबिक, जनवरी 2025 की तुलना में फरवरी में खाद्य मुद्रास्फीति में 2.22 फीसदी की बड़ी गिरावट देखी गई है। खाद्य मुद्रास्फीति बढ़ने की दर मई, 2023 के बाद सबसे कम है। केरल में महंगाई देशभर में सबसे अधिक 7.31 फीसदी और छत्तीसगढ़ में 4.89 फीसदी बढ़ी। वहीं मध्यप्रदेश में यह राष्ट्रीय औसत से कम 3.39 फीसदी और राजस्थान में केवल 3.04 फीसदी बढ़ी। सबसे कम महंगाई दिल्ली में बढ़ी। खुदरा महंगाई दर और खाद्य महंगाई में आई इस गिरावट से आरबीआइ के लिए 9 अप्रेल को मौद्रिक समीक्षा के दौरान प्रमुख नीतिगत दर में लगातार दूसरी बार कटौती की गुंजाइश बन गई है। आरबीआइ एमपीसी ने फरवरी में रेपो रेट में 0.25 फीसदी की कटौती की थी। अब विशेषज्ञों का कहना है कि आरबीआइ ब्याज दरें 0.5 फीसदी तक घटा सकता है। यदि ऐसा होता है तो लोन सस्ता हो जाएगा और लोगों की ईएमआइ घट जाएगी।

औद्योगिक उत्पादन में आई तेजी, जनवरी में 5 फीसदी बढ़ा आइआईपी : मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर के अच्छे प्रदर्शन के दम पर इस साल जनवरी में देश का औद्योगिक उत्पादन (आइआइपी) 5 फीसदी बढ़ा, जो जनवरी 2024 में 4.2 फीसदी बढ़ा था। जारी आंकड़ों के मुकाबिक, मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र का उत्पादन 5.5 फीसदी बढ़ा, जो एक साल पहले इसी महीने में 3.6 फीसदी बढ़ा था। हालांकि खनन के साथ बिजली क्षेत्र का उत्पादन सालाना आधार पर घटा है।

भारत ने मॉरिशस को 14000 टन गैर बासमती सफेद चावल के निर्यात की अनुमति दी

नईदिल्ली, एजेंसी। सरकार ने मॉरिशस को 14,000 टन गैर बासमती सफेद चावल के निर्यात की अनुमति दे दी है। विदेश व्यापार महानिदेशायलय (डीजीएफटी) अधिसूचना जारी कर इसकी जानकारी दी है। डीजीएफटी ने बताया है कि राष्ट्रीय सहकारी निर्यात लिमिटेड (एनसीईएल) के जरिए मॉरिशस को 14,000 टन गैर बासमती सफेद चावल के निर्यात की अनुमति दी गई है। इससे पहले भारत ने चावल की कई किस्मों का निर्यात नेपाल, रिपब्लिक ऑफ घाना, फिलिपिंस, सेशल्स, यूएई, सिंगापुर जैसे देशों में करने की अनुमति दी थी। फिलहाल डीजीएफटी चावल निर्यात पॉलिसी के अंतर्गत चावल निर्यात करता है। फिलहाल, उन्हीं देशों को चावल का निर्यात किया जा रहा है जिनके लिए सरकार की ओर से मंजूरी दी गई है। कई अन्य देश अपनी खाद्य सुरक्षा का हवाला देकर भारत सरकार से चावल के निर्यात के लिए आग्रह कर रहे हैं। डीजीएफटी ने बताया है कि राष्ट्रीय सहकारी निर्यात लिमिटेड (एनसीईएल) के जरिए मॉरिशस को 14,000 टन गैर बासमती सफेद चावल के निर्यात की अनुमति दी गई है। भारत ने चावल की कई किस्मों का निर्यात नेपाल, रिपब्लिक ऑफ घाना, फिलिपिंस, सेशल्स, यूएई, सिंगापुर जैसे देशों में करने की अनुमति दी थी।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

धर्मेंद्र की पहली पत्नी के साथ सनी ने कराई थी ईशा की मुलाकात

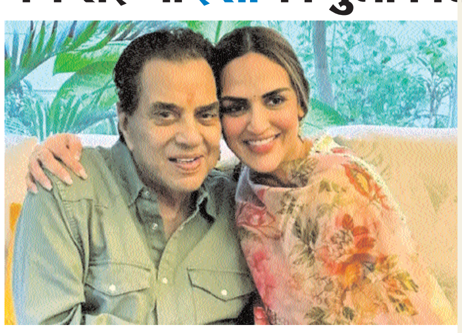

दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र ने हाल ही में हेमा मालिनी के साथ शादी की 44वीं सालगिरह मनाई। इस मौके पर हेमा-धर्मेंद्र की बेटी ईशा देओल ने अपने माता-पिता के लिए स्पेशल नोट भी साझा किया। हालांकि, इस खास मौके के जश्न में सनी देओल और बॉबी देओल शामिल नहीं हो सके, जिसे लेकर काफी सवाल किए गए। हालांकि, मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया कि काम के सिलसिले में देओल भाई नहीं आ सके। साथ ही यह भी कहा गया कि देओल परिवार में फिलहाल सबकुछ सही चल रहा है। बॉबी और सनी देओल की हेमा मालिनी और उनकी बेटियों से अच्छी बॉन्डिंग है। हालांकि, प्रकाश कौर दूरी बनाकर चलती हैं। मालूम हो की हेमा मालिनी से शादी रचाने से पहले धर्मेंद्र पहले से शादीशुदा थे। धर्मेंद्र की पहली शादी प्रकाश कौर के साथ हुई, जिनसे उनके चार बच्चे-सनी देओल, बॉबी, विजेता और अजीता हैं। बीते वर्ष ईशा देओल और सनी देओल-बॉबी देओल को साथ देखा गया। ईशा ने अपने घर पर 'गदर 2' की स्क्रीनिंग रखवाई थी। बेशक ईशा और अहाना का अपने सौतेले भाईयों से अच्छा रिश्ता है, लेकिन प्रकाश कौर उनसे एक अंतराल बनाकर रखती हैं।

मुलाकात करने के लिए जाना पड़ा घर

हालांकि, ईशा देओल की प्रकाश कौर से मुलाकात हो चुकी है। हेमा मालिनी की बायोग्राफी में ईशा देओल ने इस बात का जिक्र किया है। इस दौरान सारे इंतजाम सनी देओल ने किए थे। ईशा देओल के मुताबिक एक समय उनके परिवार पर मुश्किल आई थी। उनके चाचा अजीत देओल की तबीयत काफी खराब चल रही थी। ऐसे में ईशा ने उनसे मिलने का मन बनाया। ईशा के मुताबिक, %मैं अपने अंकल से मिलना चाहती थी। वे मुझे और अहाना को बेहद प्यार करते थे। हमारे पास उनके घर जाने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। ईशा ने आगे जिक्र किया, वे हॉस्पिटल में नहीं थी, इसलिए उनसे मिलने घर जाना पड़ा। मैंने सनी भैया को कॉल की। ऐसे में उनसे मुलाकात कराने के सारे इंतजाम सनी भैया ने किए।

ओटीटी से अब फिल्म प्रोड्यूसरों को प्रयोग करने की आजादी मिल गई है: रवीना टंडन

अभिनेत्री रवीना टंडन ने बदलते सिनेमा पर बातचीत की। फिल्म को लेकर रवीना ने कहा कि मुझे रोल नंबर बदलने वाले घोटाले के बारे में नहीं पता था, जहां एक छात्र से उसकी मेहनत का फल छीन लिया जाता है. स्क्रिप्ट ने मुझे सचमुच प्रभावित किया क्योंकि मेरे दो बच्चे हैं जो अभी पढ़ रहे हैं. अपने पूरे करियर में मुझे मजबूत संदेश वाली फिल्में करना पसंद रहा है. अपनी फिल्मों से समाज में कुछ नैतिक जिम्मेदारी निभाना और योगदान करना महत्वपूर्ण है. महिलाओं के लिए लिखी जाने वाली भूमिकाओं में इंडस्ट्री अब उनकी उम्र को लेकर सहज हो गई है इस सवाल के जवाब में रवीना बोली कि बिल्कुल लगता है. मैं इसका श्रेय ओटीटी प्लेटफॉर्म्स को दे सकती हूं. दर्शकों को अचानक इतने अंतरराष्ट्रीय सिनेमा, विभिन्न संस्कृतियों और तरह-तरह की कहानियों के बारे में पता चला कि इससे उनका दायरा बढ़ गया. फिल्म निर्माताओं को अब प्रयोग करने की आजादी है, जिससे वे पहले डरते थे. उन्होंने कहा कि यह बहुत अच्छा है क्योंकि जनवरी में एक आभूषण ब्रांड के लिए मॉडल के रूप में राशा के पहले विज्ञापन के साथ मेरी फिल्म 'कर्मा कॉलिंग' के बिलबोर्ड लगे थे. मैंने अपने दोनों बच्चों - राशा और रणबीर - के साथ उनकी बुनियाद मजबूत बनाने की कोशिश की है. मैंने उनसे कहा है कि पहले इंसान के तौर पर कामयाब बनें और फिर पेशेवर कामयाबी हासिल करने की कोशिश करें. उन्हें अपनी गलतियों से सीखना होगा, क्योंकि जीवन सबसे बड़ा शिक्षक है. रवीना ने बताया कि मैं अपने सभी पुराने दोस्तों के साथ फिर से काम कर रही हूं और सेट एक पिकनिक जैसा लगता है. फरीदा जलाल जी और मैं बहुत लंबे समय के बाद काम कर रहे हैं. सेट पर हम फोन तक चेक नहीं करते, सभी के पास बात करने के लिए बहुत कुछ होता है.

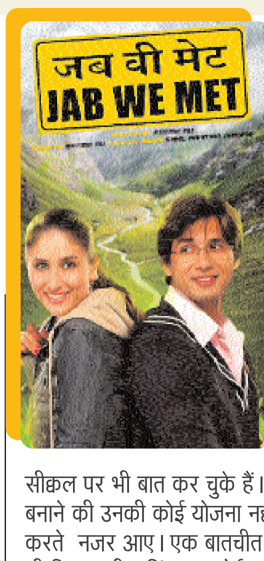

'जब वी मेट' में बॉबी और प्रीति को लेना चाहते थे इम्तियाज

निर्देशक इम्तियाज अली अपनी हालिया रिलीज फिल्म अमर सिंह चमकीला के लिए खूब वाहवाही बटोर रहे हैं। नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई यह फिल्म दर्शकों को खूब पसंद आ रही है। इस फिल्म से पहले भी इम्तियाज कई शानदार रोमांटिक फिल्में बना चुके हैं। हाल ही में उन्होंने साल 2007 में आई अपनी ब्लॉकबस्टर फिल्म जब वी मेट को लेकर खुलकर बात की। इम्तियाज ने यह भी खुलासा किया कि मुख्य भूमिकाओं के लिए अभिनेता बॉबी देओल और प्रीति जिंटा उनकी मूल पसंद थे। उन्होंने कहा कि जब वह अभिनेता के चचेरे भाई अभय देओल के साथ सोचा ना था फिल्म कर रहे थे, तब वह बॉबी के साथ फिल्म बनाने की कोशिश कर रहे थे। इससे पहले एक बातचीत में इम्तियाज जब वी मेट के सीक्वल पर भी बात कर चुके हैं। उस दौरान उन्होंने बताया था कि फिलहाल इस फिल्म का सीक्वल बनाने की उनकी कोई योजना नहीं है। इस बातचती में वे शाहिद और करीना के ब्रेकअप पर भी चर्चा करते नजर आए। एक बातचीत में उन्होंने खुलासा किया कि दोनों कलाकारों का रिश्ता टूटने के बाद भी फिल्म की शूटिंग पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा था। इस बातचीत में इम्तियाज ने शाहिद और करीना की प्रोफेशनल होने की जमकर तारीफ की। साथ ही, उन्होंने उनके क्राफ्ट की प्रतिबद्धता पर भी प्रकाश डाला। एक ताजा बातचीत में इम्तियाज ने बताया कि उनकी निजी जिंदगी कभी भी फिल्म के निर्माण के बीच में नहीं आई। इम्तियाज ने कहा, फिल्म का ज्यादातर हिस्सा शूट हो चुका था। उनके तथाकथित ब्रेकअप के दो दिन बाद हमें शूटिंग करनी पड़ी। उस समय वे बिल्कुल प्रोफेशनल थे।

दो किन्नरों पर वारदात करने का आरोप, किन्नर भी घायल चल रहा इलाज

चाकू से गोदकर युवक की हत्या बैंड मास्टर चौराहा पर मिली लाश

हत्यारे बताए जा रहे हैं मृत युवक के करीबी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

तलैया थाना क्षेत्र में बीते रोत की सुबह रंजिश में हुए विवाद के बाद दो किन्नरों ने एक युवक पर चाकू से हमला कर दिया। चाकू से हुए ताबड़तोड़ हमले के बाद युवक को अस्पताल ले जाया गया, वहां डॉक्टर ने चेक करने के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। हमलावरों को भी चाकू लगने से चोट आई है। उनका इलाज चल रहा है।

अभी कारणों का खुलासा नहीं

हमलवार किन्नर और युवक आपस में दोस्त बताए जा रहे हैं। पुलिस का कहना है कि हत्या के संबंध में आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। अभी हत्या की स्पष्ट वजह का खुलासा नहीं हो सका है। हालांकि, पुलिस को जानकारी मिली कि झगड़े में मृत हुए युवक का किन्नरों साथ बैठना था। कुछ दिन पहले ही उनका पैसों की बात को लेकर विवाद भी हुआ था। इसी का बदला लेने युवक अपने साथियों के साथ बरखेड़ी से बैंड मास्टर चौराहा पर पहुंचा था और वहां उसकी हत्या हो गई।

थाना प्रभारी चतुर्भुज राठौर ने बताया कि बरखेड़ी निवासी 23 साल का आदिल खान, सीट कवर बनाने के कारखाने में काम करता था। उसकी बुधवारा इलाके में रहने वाले किन्नरों से दोस्ती थी। उसके भाई ने पुलिस को बताया कि आदिल सुबह कुछ लोगों के साथ घर से निकला।

सांसें चलती देखकर पहुंचाया अस्पताल

सुबह करीब 9 बजे परिवार को सूचना मिली कि आदिल बुधवारा के बैंड मास्टर चौराहा के पास आदिल घायल अवस्था में सड़क पर पड़ा है। वे मौके पर पहुंचे तो आदिल लहूलुहान पड़ा हुआ था। उसकी सांसे चल रही थी। वह उसे हमीदिया अस्पताल लेकर पहुंचे वहां डॉक्टर ने चेक करने के बाद आदिल को मृत घोषित कर दिया। स्थानीय लोगों ने बताया कि आदिल और अलवीरा खान और नवाब नाम के दो किन्नर के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। इस दौरान उनके बीच झड़प हुई और आदिल ने दोनों पर हमला कर दिया। इस बीच अलवीरा और नवाब ने चाकू निकाला और आदिल के सीने और गर्दन पर कई बार वार किए।

सीसीटीवी फुटेज में आदिल ने पहले अलमीरा पर किया हमला

घटना का पुलिस को सीसीटीवी फुटेज मिला है। फुटेज में आदिल ने अलवीरा और नवाब पर हमला करते हुए नजर आया। वह उन दोनों किन्नरों का पीछा करते हुए भी दिखाई दे रहा है। अधिकारियों ने कहा कि दोनों किन्नर आदिल के हमले से डरकर पहले भाग गए, लेकिन फिर वापस लौटे और आदिल पर चाकू से वार किया। थाना प्रभारी चतुर्भुज राठौर ने बताया कि मारपीट में हमलावरों को भी चोटें आई हैं। उन्हें इलाज के लिए ले जाया गया है।

आदिल का भाई भी गला रेतकर कर चुका सुसाइड

टीआई ने बताया कि उन्हें हिरासत में ले लिया गया है। इस संबंध में उनसे आगे की पूछताछ की जा रही है। स्थानीय लोगों ने बताया कि आदिल की शादी करीब एक माह पहले हुई थी। उसके बड़े भाई ने तीन साल पहले जहांगीराबाद इलाके में एक युवती के घर के सामने खुद का चाकू से गला रेतकर आत्महत्या कर चुका है। परिजन ने उसकी हत्या का आरोप लगाते हुए उस समय चक्काजाम भी किया था।

होली ड्यूटी में टीआई का अचानक निधन, मिलन समारोह किया निरस्त

भोपाल। बेटमा में होली पर ड्यूटी करने गए ग्रामीण आईजी कार्यालय में पदस्थ टीआई संजय पाठक की हार्ट अटैक से आकस्मिक निधन होने के बाद विभाग में शोक की लहर है। संजय पाठक का निधन होने के कारण सोमवार 17 मार्च को लाल परेड कबड्डी मैदान में होने वाला होली मिलन समारोह निरस्त कर दिया गया है। उल्लेखनीय है कि संजय पाठक को ड्यूटी के दौरान अचानक घबराहट हुई थी उन्हें सीपीआर देने के बाद साथी पास के अस्पताल ले गए। वहां से इंदौर भेजा गया, लेकिन उनकी जान नहीं बच सकी।

टीचर से पर्स झपटकर भागे लुटेरे, एक हुआ गिरफ्तार, दूसरे की तलाश जारी

भोपाल। गोविंदपुरा थाना क्षेत्र स्थित विजय मार्केट बरखेड़ा में बेटे के साथ सब्जी खरीदने पहुंची निजी स्कूल की टीचर के हाथ से बाइक सवार बदमाशों ने पर्स झपट लिया। पर्स में 220 रुपए की नगदी और मोबाइल था। उनके बेटे ने बाइक सवारों का पीछा किया, लेकिन वह भागने में कामयाब हो गए। हालांकि बेटे ने बाइक का नंबर देख लिया था। पुलिस ने नंबर के आधार पर एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि दूसरे की तलाश की जा रही है। एसआई भारत सिंह मीणा ने बताया कि प्रभा सिंह पति बृजेश सिंह (36) वल्लभ नगर, अवधपुरी में रहती हैं और निजी स्कूल में टीचर है। उन्होंने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि शनिवार शाम वह बेटे के साथ सब्जी खरीदने विजय मार्केट बरखेड़ा गई थीं। मार्केट में सब्जी खरीदते समय बाइक से आए दो बदमाशों में पीछे बेटे बदमाश ने उनके हाथ से पर्स झपट लिया। प्रभा के बेटे ने आरोपियों की बाइक का नंबर देख लिया था। इसके बाद मां बेटे थाने पहुंचे और शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने झपटमारी का प्रकरण दर्ज कर बाइक के नंबर के आधार पर आरोपियों की तलाश की और एक आरोपी को दबोच लिया। आरोपी की पहचान रोहित अहिरवार के रूप में की गई है। रोहित ने बताया कि झपटमारी में उसके साथ छोटू शामिल था। पुलिस छोटू की तलाश कर रही है।

काम करने आई दो महिलाओं नो बुजुर्ग दंपती के घर से चुराए 70 हजार

भोपाल। कोहेफिजा थाना क्षेत्र स्थित इन्द्र विहार कॉलोनी में बुजुर्ग दंपती के घर काम के बहाने आई महिलाओं ने अलमारी से 70 हजार रुपए की नगदी चुरा ली। घटना के समय 80 साल के रिटायर्ड अधिकारी और उनकी पत्नी बस थी। पुलिस ने अज्ञात महिलाओं के खिलाफ चोरी का प्रकरण दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। आरोपी महिलाओं का सुराग लगाने के लिए पुलिस घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है। पुलिस के अनुसार इन्द्र विहार कॉलोनी कोहेफिजा निवासी सुभाष चन्द्र सूरी (80) रिटायर्ड अधिकारी हैं। वह अपनी पत्नी के साथ अकेले रहते हैं। गत 11 मार्च की दोपहर सुभाष चन्द्र सूरी की पत्नी बाहर ठेले से सब्जी खरीद रही थीं। तभी वहां से दो महिलाएं पहुंची और घरेलू काम के बारे में उनसे बातचीत करने लगी। उन्होंने कहा कि हमारे घर काम कर लोगी। दोनों महिलाएं काम करने के लिए तैयार हो गईं। पुलिस ने बताया कि दोपहर करीब 3 बजे तक दोनों महिलाओं ने काम किया और फिर चली गईं। उनके जाने के बाद सूरी दंपती ने अलमारी खोली तो अंदर रखे 70 हजार रुपए नहीं थे। उन्होंने घटना की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने सुभाष चन्द्र सूरी की शिकायत पर प्रकरण दर्ज किया है।

जमीन का पैसा मांगा तो पिस्टल दिखाकर धमकाया, कमर में फंसी रिवाल्वर जब्त

भोपाल। खजूरी सड़क थाना क्षेत्र स्थित बरखेड़ा सालम में बेची हुई जमीन का बकाया रुपए मांगने पर बदमाश ने किसान को पिस्टल दिखाते हुए धमका दिया। किसान वहां से उलटे पैर लौट गया और पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने कार में बैठे बदमाश को बाहर उतरवाया तो उसकी कमर में पिस्टल फंसी मिली। पुलिस के अनुसार बरखेड़ा सालम में अहिरवार परिवार ने कृषि योग्य जमीन बेची थी। उक्त भूमि किसी अल्तमश को बेची गई थी। जमीन की कुछ रकम बाकि है और जमीन पर मालिकाना हक अल्तमश ने ले लिया। अल्तमश और अरिहवार के बीच पैसों की बात को लेकर कहासुनी चल रही थी। शनिवार शाम अल्तमश अपने साथी फारुख उर्फ मूसा पिता शहजाद (34) निवासी चिकलौद रोड जहांगीराबाद को लेकर खेत पर पहुंचा। वहां अहिरवार आया और अपनी बेची गई जमीन की बकाया राशि मांगने लगा। इसी बीच कार में बैठे फारुख ने पिस्टल निकाली और अहिरवार को धमकाने लगा। अहिरवार वहां से निकल गया और पुलिस को सूचना दे दी।

शादी का झांसा देकर कॉलेज की छात्रा का किया शारीरिक शोषण

भोपाल। बिलखिरिया पुलिस ने एक कालेज छात्रा की रिपोर्ट पर युवक के खिलाफ शादी का झांसा देकर शारीरिक शोषण करने और जाति से अपमानित करने का मामला दर्ज किया है। थाना प्रभारी उमेश सिंह चौहान ने बताया कि इलाके में रहने वाली 23 वर्षीय युवती कालेज में पढ़ती है। करीब पांच साल पहले उसकी पहचान अवधपुरी इलाके में रहने वाले आर्यन नामक युवक से हुई थी। बाद में दोनों के बीच दोस्ती हो गई। इस दौरान आर्यन ने युवती को शादी करने का झांसा दिया और उसका शारीरिक शोषण करने लगा।

ट्रेन की चपेट में आकर शरीर से अलग हुआ युवक का हाथ, हालत नाजुक

भोपाल, दोपहर मेट्रो

ऐशबाग थाना क्षेत्र स्थित सुभाष नगर फाटक के पास एक युवक ट्रेन की चपेट में आ गया। हादसे में युवक का हाथ शरीर से कटकर अलग हो गया।

वहां मौजूद लोगों ने तड़प रहे युवक को अस्पताल भेजने के लिए एंबलुंस 108 को सूचना दी। एंबुलेंस करीब एक घंटा देरी से मौके पर पहुंची। इस बीच वहां से गुजर रही ट्रेनों से आत्महत्या करने का प्रयास किया लेकिन लोगों ने उसे रोक लिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। युवक का अस्पताल में इलाज चल रहा है।

पुलिस के अनुसार शुक्रवार रात छोटू यादव (18) नामक युवक को सुभाष नगर फाटक के पास पटरी किनारे देखा गया था। कुछ देर बाद ही ट्रेन आ गई और छोटू चपेट में आ गया। ट्रेन की चपेट में आने से वह उछलकर दूर जा गिरा। उसका एक हाथ कटकर शरीर से अलग हो चुका था।

राहगीरों ने तत्काल एंबुलेंस को कॉल किया, लेकिन कॉल प्रतिक्षा में था। इधर, घायल छोटू बार-बार रेलवे ट्रैक पर जाकर आत्महत्या करने की कोशिश करता रहा। एंबुलेंस के पहुंचने में देरी होने से लोग गुस्से में आ गए। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस ने घायल को हमीदिया अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने बताया कि फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि युवक वहां क्या काम कर रहा था। उसके बयान दर्ज होने के बाद ही सच्चाई सामने आ सकेगी।

असहनीय दर्द से छुटकारा पाने बार-बार कर रहा था आत्महत्या का प्रयास

एक घंटे के बाद पहुंची एंबुलेंस

लोगों ने घटना के फौरन बाद ही एंबुलेंस 108 को कॉल कर दिया था। जानकारी के मुताबिक एंबुलेंस 108 का एवरेज रिस्पांस टाइम 18 मिनट बताया गया है। इस हादसे में एंबुलेंस आने में एक घंटे से भी अधिक का समय लग गया।

पिकअप में भरकर मवेशियों को ले जाते बजरंगियों ने पकड़ा

ड्राइवर और कंडक्टर भागे, गौवंश को पुलिस ने गौशाला में सुरक्षित भेजा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

ईंटखेड़ी थाना क्षेत्र स्थित सैनी चौराहा पर गत रोज तड़के बजरंगियों ने एक पिकअप वाहन को रोककर उसमें भरे 9 मवेशियों को छुड़वाया है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने सभी मवेशियों को सूखीसेवनिया स्थित गौशाला में सुरक्षित रखवा दिया। पुलिस मवेशियों का अवैध परिवहन करने वालों के खिलाफ पशुक्रूरता अधिनियम की धाराओं में प्रकरण दर्ज कर उनकी तलाश कर रही है।

वहीं इस मामले में पुलिस का कहना है कि पिकअप वाहन में 9 मवेशियों को ठूस ठूसकर भरा गया था।

:पुलिस के अनुसार सोनू अहिरवार हिंदू संगठन के लिए काम करते हैं। सोनू ने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि उन्हें सूचना मिली थी कि पिकअप वाहन में मवेशियों का अवैध परिवहन किया जा रहा है। वे कार्यकर्ताओं के साथ चौरसिया ढाबा पर खड़े हो गए और पिकअप वाहन का इंतजार करने लगे। इसी बीच शनिवार तड़के सवा 3 बजे उन्हें पिकअप वाहन आता हुआ नजर आया। उन्होंने वाहन को रोकने का प्रयास किया, लेकिन पिकअप के ड्राइवर ने वाहन की गति बड़ा ली और वह नहीं रुका। ऐसे में सोनू अहिरवार और उनके साथ मौजूद कार्यकर्ताओं ने पिकअप का पीछा किया और सैनी चौराहा के पास पिकअप वाहन का ड्राइवर और कंडक्टर वाहन छोड़कर फरार हो गए।

रात्रि गश्त कर रही पुलिस पहुंची, पहुंचाया गौशाला

रात्रि गश्त में लगे प्रधान आरक्षक अरविंद जाट ने बताया कि गश्त के दौरान उन्हें सूचना मिली थी कि हिंदू संगठन ने मवेशियों से भरा वाहन रोका है। वे मौके पर पहुंचे और वाहन की तलाश की। इस दौरान वाहन में ठूस-ठूसकर 9 मवेशियों को भरा गया था और उन्हें बांधा गया था। मवेशियों की हालत गंभीर थी। हालांकि किसी भी मवेशी की मौत नहीं हुई है।

दसवीं कक्षा की छात्रा से पड़ोसी ने की छेड़छाड़

भोपाल। बैरागढ़ थाना क्षेत्र में दसवीं कक्षा की छात्रा से पड़ोस में रहने वाले युवक द्वारा छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। आरोपी गत एक महीने से छात्रा को परेशान कर रहा था और स्कूल, कोचिंग आते-जाते उसका पीछा करता था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ छेड़छाड़ और पाक्सो एक्ट की धाराओं में प्रकरण दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार 17 साल की किशोरी इलाके में रहती हैं और दसवीं कक्षा की छात्रा है। उसके पड़ोस में नीतेश कुशवाह नामक युवक रहता है। छात्रा ने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि एक ही मोहल्ले में रहने के कारण वह उसे पहचानती है। उसने शिकायत में बताया कि आरोपी नीतेश का एक महीने से पीछा कर रहा है। उसे समझाइश दी तो उसने झूमाझटकी की और जान से मारने की धमकी भी थी। आरोपी से परेशान होकर उसने परिजन को घटना की जानकारी दी थी। इसके बाद परिजन उसे थाने लेकर पहुंचे और शिकायत दर्ज कराई।

मेट्रो एंकर भगौड़ों पर इनाम घोषित नहीं, ठगी सेंटर के मास्टर माइंड अफजल की पत्नी-बेटी, साले भी भूमिगत

ठग से वसूली: पुलिसकर्मी 12 दिन के बाद भी फरार

भोपाल, दोपहर मेट्रो

फर्जी कॉल सेंटर रिश्वत कांड में फरार चल रहे निलंबित ऐशबाग टीआई जितेन्द्र गड़वाल, एएसआई पवन रघुवंशी, मनोज कुमार सिंह, धर्मेन्द्र सिंह अब तक पुलिस की पकड़ से दूर हैं। पांच मार्च से भूमिगत हुए चारों पुलिसकर्मियों को तलाशने के दावे किए जा रहे हैं, लेकिन एक भी पुलिस के हाथ नहीं लग सके। जबकि, टीआई जितेन्द्र गड़वाल एफआईआर दर्ज होने के अगले दिन पुलिस कमिश्नर कार्यालय में अपनी सफाई देने खुद पहुंचे थे। तब उन्हें भी नहीं गिरफ्तार किया गया।

अब वह भी पुलिस को नहीं मिल रहे। इतना ही नहीं सेंटर के मास्टर माइंड अफजल की बेटी, पत्नी, साले मूईन खान तक को पुलिस गिरफ्तार नहीं कर सकी है।

फरार आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होने के पीछे माना जा रहा कि सिर्फ औपचारिक तलाशी की जा रही है। फरार आरोपियों के खिलाफ होने वाली प्रॉपर्टी कुर्क नोटिस समेत अन्य कानूनी कार्रवाई भी पुलिस अफसरों की तरफ से नहीं की गई हैं। जबकि सभी आरोपी गंभीर अपराध में फरार हैं। बतादें, 22 फरवरी को प्रभात चौराहे के पास साइबर ठगी के लिए चलाए जा रहे कॉल सेंटर के संचालक से मिलीभगत कर जांच में लीपापोती करने की अधिकारियों को शिकायत मिली थी।

इसके बाद अधिकारियों के निर्देश पर सेंटर संचालक अफजल के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी। जांच में खुलासा हुआ था कि अफजल की पत्नी,बेटी, साले को बचाने के लिए एएसआई पवन 25 लाख रुपए की डील की थी। पांच लाख रुपए लेते हुए उसे पुलिस ने दबोचा था। इसके बाद पुलिस कमिश्नर ने टीआई समेत चार पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया था। पुलिसकर्मियों के खिलाफ हुई कार्रवाई की जांच कर रहे एसीपी निहित उपाध्याय ने बताया कि अभी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कोई इनाम घोषित नहीं किया गया है। वरिष्ठ अफसरों से चर्चा के बाद ही आगे की कानूनी प्रक्रिया की जाएगी।

पीड़ित को विमान से बुलाना पड़ा

पुलिस कमिश्नर की फटकार के बाद थाना प्रभार, एएसआई पवन रघुवंशी, एएसआई मनोज सिंह ने सेंटर से ठगी का शिकार हुए थाणे, महाराष्ट्र निवासी अमित विश्वास से संपर्क किया। उन्हें पुलिसकर्मियों ने भोपाल बुलाया। इसके लिए दोनों ने उन्हें फ्लाइट का किराया भी दिया। तब वह भोपाल आकर एफआईआर दर्ज कराई। पुलिस ने अफजल व उसकी बेटी साहिबा के खिलाफ मामला दर्ज किया।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया**
संपादक आशीष दुबे* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022